तापमान
अधिकतम 24.9 डिग्री
न्यूनतम 8.6 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 30 नवंबर 2025

10 सेठ छाजूराम की विरासत युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा

10 वार्षिक उत्सव में किया भारत अनंत गाथा का आयोजन

खबर संक्षेप

मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण अगले माह

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में दिसंबर मास के दौरान मधुमक्खी पालन, फैशन/सरफेस डिजाइनिंग तथा मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि प्रदेश के किसी भी वर्ग, आयु, शैक्षणिक योग्यता के इच्छुक महिला या पुरुष इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क है और प्रशिक्षण में पूरी अवधि में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

बीड़ बबरान धाम में अर्जी संकीर्तन आज

हिसार। प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में 30 नवंबर को अर्जी संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। सायं 4 बजे से रात्रि 7 बजे चलने वाले इस अर्जी संकीर्तन में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि अर्जी संकीर्तन के दौरान दूर-दूर के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर और आराधना करते हुए अर्जी लगाते हैं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न भजन गायक श्याम बाबा की महिमा का गुणगान भी करेंगे। इस अवसर पर श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ढांडा से मिले आरसीपीटीएफ के सदस्य

हिसार। रिटायर्ड कॉलेज प्रिंसिपल एवं टीचर फेडरेशन (आरसीपीटीएफ), हरियाणा का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष प्रो. डीआर चौधरी के नेतृत्व में सेठ छाजूराम की 160वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज, हिसार में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से मिला। फेडरेशन ने सहायता-प्राप्त महाविद्यालयों के सेवानिवृत प्राचार्यों और शिक्षकों से संबंधित लंबित मुद्दों को उठाया।

शिक्षकों ने नशा मुक्ति की ली शपथ

हिसार। सामाजिक संस्था मदद एवं शिक्षा विभाग द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को गांव गंगवा के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के 175 से अधिक शिक्षक उपस्थित हुए जिन्होंने नशा मुक्ति के लिए शपथ ली और बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। मदद एनजीओ के अध्यक्ष संजीव कुमार ने उपस्थित शिक्षकों को शपथ दिलाई।

निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर दो दिसंबर को

हिसार। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा संचालित दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र में समाजसेवी प्रवीन बंसल के सहयोग से 2 दिसंबर को निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर लगाया जाएगा। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल ने बताया कि इस शिविर में आंखों के सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित बुजुर्गों का ऑपरेशन अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।

लाडली ट्रस्ट करवाएगी सामूहिक विवाह समारोह

हिसार। लाडली वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 14 दिसंबर को दिल्ली रोड स्थित सूर्या सेलिब्रेशन में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के संस्थापक अनिल सिंगला मंगालीवाला ने बताया कि इस विवाह समारोह में कई प्रसिद्ध समाजसेवी, व्यवसायी, अधिकारी, अधिवक्ता, चिकित्सक व अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रसिद्ध हस्तियां हिस्सा लेंगी। इस दौरान समाजसेवियों के सहयोग से बारात का स्वागत, भोजन व उपहारों की समुचित व्यवस्था भी रहेगी।

हिसार मिलिट्री स्टेशन में पूर्व सैनिक रैली का आयोजन

यूथ को सही मार्गदर्शन की जरूरत, तभी देश आगे बढ़ेगा और विकसित बनेगा : ले. जनरल

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह बोले- हरियाणा शूरवीरों का प्रदेश, ऑपरेशन सिंदूर में सतर्कता दिखाने पर सूबेदार साहब राम को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान के अंतर्गत डॉट ऑन टारगेट डिवीजन ने शनिवार को हिसार मिलिट्री स्टेशन में हरियाणा के दस जिलों हिसार, फतेहाबाद, जींद, सिरसा, भिवानी, चरखी दादरी, झज्जर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और रोहतक के लिए एक पूर्व सैनिक रैली और चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 1500 से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, वीर माताओं और उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

- पूर्व सैनिकों के लिए हेल्प डेस्क और स्टॉल स्थापित किए गए

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह, सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर ले. जनरल मनजिंदर सिंह तथा डॉट ऑन टारगेट डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल अमित तलवार उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कहा कि हरियाणा शूरवीर का प्रदेश है। जनसंख्या के लिहाज हरियाणा छोटा है, मगर देश सेवा में इसका बड़ा योगदान है। हरियाणा के लिए गर्व का विषय है कि देश के किसी भी ऑप्रेशन में उसे मौका मिला, तन-मन-धन न्यौछावर कर दिया। हमारे वेटरन्स में इतना जोश और जज्बा है कि वे आज भी बॉर्डर पर जाने का तैयार है। उन्होंने वेटरन्स से आह्वान किया कि वे मुश्किल के समय हमेशा आगे आने का तैयार रहें। उन्होंने वेटरन्स से अपील की कि एक्स सर्विसमैन बच्चों को शिक्षित करें और उनके मागदर्शक बनें। देश के यूथ को सही मार्गदर्शन की जरूरत है तभी देश आगे बढ़ेगा और विकसित बनेगा। इस मामले में कई ऐसे एक्स सर्विसमैन हैं, जो अच्छा कार्य करके राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। विभिन्न रिकॉर्ड ऑफिसेस, बैंकों, पुलिस, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग एवं सरकारी कल्याण एजेंसियों ने पूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण, दस्तावेज़ों के नवीनीकरण, पेंशन संबंधी प्रश्नों के लिए हेल्प डेस्क और स्टॉल स्थापित किए गए तथा मिलिट्री अस्पताल के तत्वावधान में आयोजित शिविर में लोगों की स्वास्थ्य जांच की।

हिसार। पूर्व सैनिक को सम्मानित करते आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह।

पूर्व सैनिक व वीर नारियों को किया सम्मानित

आर्मी कमांडर ने पूर्व सैनिकों को संबोधित किया और हमारे पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीर माताओं के साथ नियमित संचार, बातचीत, सशक्तिकरण, सम्मान और व्यापक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सप्त शक्ति कमान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। रैली का समापन एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें वीर नारियों, वीर माताओं और युद्ध में घायल हुए पूर्व सैनिकों को राष्ट्र के प्रति उनकी विशिष्ट सेवा और बलिदान के लिए सम्मान चिह्न प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, विकलांग पूर्व सैनिकों को 13 ई-स्कूटर, सहायक उपकरण और वित्तीय सहायता प्रदान की गईं। पूर्व सैनिकों और वीर नारियों ने रैली के आयोजन के लिए भारतीय सेना और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया, जिसमे उन्हें हमारे पूर्व सैनिकों के साथ पुनः जुडने, कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता प्राप्त करने और विभिन्न एजेंसियों से जमीनी स्तर पर सहायता प्राप्त करने का एक बहुमूल्य अवसर मिला।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित सैन्य अधिकारी तथा पूर्व सैनिक व परिजन।

सैन्य बैंड की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति

इस अवसर पर वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, नागरिक गणमान्य व्यक्ति तथा विभिन्न कल्याणकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिन्होंने लगातार मदद, समय पर परिलब्धियों का वितरण, पूर्व सैनिक कल्याण तंत्र के साथ व्यवस्थित संपर्क सुनिश्चित करने में नागरिक प्रशासन की जिम्मेदारियों को फिर से रेखांकित किया। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेटों और सैन्य बैंड की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई, जिसमें सैनिकों की भावना और राष्ट्र निर्माण में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया गया।

सतर्कता दिखाने पर सूबेदार का सम्मान

कार्यक्रम में सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने ऑनरेरी सूबेदार साहब सिंह को भी सम्मानित किया। सूबेदार साहब सिंह को ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान सतर्कता दिखाने के लिए यह सम्मान मिला। सैन्य अधिकारियों के अनुसार ऑनरेरी सुबेदार को हिसार मिलिट्री स्टेशन के पास ड्रोन दिखाई दिए तो उन्होंने तुरंत सैन्य हेल्प लाइन नंबर पर संपर्क करके इसकी सूचना दी जिसके कारण काफी बचाव हुआ।

वृद्ध को घायल करने की दोषी मां-बेटी को तीन साल की कैद

- अदालत ने बाद में दोनों की जमानत मंजूर कर ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुदीप कौर भट्टी की अदालत ने झगड़ा कर वृद्ध को घायल करने के मामले में सिंडोल गांव निवासी एक महिला व उसकी बेटी को तीन-तीन साल कैद की सजा सुनाई है। बाद में अदालत ने दोनों की जमानत मंजूर कर ली।

अग्रोहा थाना पुलिस ने 20 फरवरी 2020 को हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस को दी शिकायत में सिंडोल गांव के बीरसिंह ने कहा था था कि दो पुरुषों समेत पांच हमलावरों ने उसके चाचा 75 वर्षीरू जसवंत को चोटें मारी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर हत्या का केस दर्ज किया था।

पुलिस ने हत्या का मुकदमा गैर इरादतन हत्या में तबदील कर दिया। साथ ही जांच के दौरान तीन आरोपी मुकदमे से निकाल दिए। डॉक्टरी रिपोर्ट में वृद्ध की मौत हार्ट अटैक से होना पाया था। इसी माामले में अदालत ने आरोपी मां-बेटी को दोषी मानकर तीन-तीन साल की कैद की सजा सुनाई है।

डॉ. सोनिया सिंधु ने संभाला लुवास में निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), के प्रशासन ने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक का अतिरिक्त दायित्व विश्वविद्यालय की वरिष्ठ एवं अनुभवी शिक्षिका डॉ. सोनिया सिंधु को सौंपा है। डॉ. सोनिया सिंधु तीन दशकों से अधिक समय से पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने वर्ष 1990 में बीवीएससी एंड एएच, वर्ष 1992 में एमवीएससी. की उपाधि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से अर्जित की। 2005 में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्रैथक्लाइड, ग्लासगो (यूके) से पीएचडी की। कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि डॉ. सोनिया सिंधु एक समर्पित, अनुशासित और दक्ष शैक्षणिक प्रशासक हैं। इस अवसर पर पूर्व मानव संसाधन प्रबंधक डॉ. राजेश खुराना, रजिस्ट्रार डॉ. एसएस ढाका, डीन पशुचिकित्सा महाविद्यालय डॉ. मनोज रोज, छात्र कल्याण निर्देशक डॉ. संदीप गुप्ता, लेखा नियंत्रक विकास खरब, तथा डॉ. मीनाक्षी उपस्थित रहीं।

दक्षिणी बाइपास पर लाइटें लगने से हादसों में आएगी कमी : रणधीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नलवा से भाजपा विधायक रणधीर पनिहार ने कहा है कि सडक़ हादसों को रोकने की दिशा में गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में दक्षिणी बाइपास पर लाइट लगाने का कार्य किया गया है।

इससे वाहन चालकों को सहूलियत मिली है और इससे सडक़ हादसों में भी कमी आएगी। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि अधिकारियों को धुंध के मद्देनजर उन सभी सडक़ों पर भी जल्द से जल्द व्हाइट मार्किंग करने की हिदायत दी गई है, जहां अभी तक इस प्रकार की व्यवस्था नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि दक्षिण बाईपास पर लाइटें न होने के कारण से वाहन चालकों को दिक्कतें होती थी। अब रात को लाइटें लगने से सड़कों पर पर्याप्त रोशनी हो गई है। बाईपास अन्य हिस्सों व मुख्य सड़कों पर भी लाइट लगाने के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अधिकारियों को हिदायत दे दी गई है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा नेता जितेंद्र पनिहार, अनिल गोदारा, विनोद, अमित, राजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

एचकेएसडी स्कूल में वन्दे मातरम् कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नागोरी गेट स्थित एचकेएसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्र गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रानी लक्ष्मीबाई हाउस द्वारा एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कविता, भाषण, नृत्य व नाटिका द्वारा वन्दे मातरम की शुरुआत व महत्व को बखूबी दर्शाया गया। स्कूल की प्राचार्या रेनु मल्होत्रा ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा।

ओएसजीयू में फ्रेशर पार्टी 'यूफोरिया' की रही धूम

रैम्प वॉक में छात्रों का जलवा, हरमंदीप बनीं 'मिस फ्रेशर' और दक्ष चुने गए 'मिस्टर फ्रेशर'

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय (ओएसजीयू) के प्रांगण में नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी 'यूफोरिया' का भव्य आयोजन किया गया। हर्षोल्लास से भरे इस कार्यक्रम में जहां एक ओर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा, वहीं दूसरी ओर रैम्प वॉक में विद्यार्थियों का जलवा देखने को मिला। कड़े मुकाबले के बाद हरमंदीप ने 'मिस फ्रेशर' और दक्ष ने 'मिस्टर फ्रेशर' का खिताब अपने नाम किया। विश्वविद्यालय की परंपरा का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. कौशिक, प्रति-कुलपति डॉ. राजेंद्र सिंह छिल्लर और रजिस्ट्रार डॉ. सत्यवीर सिंह ने मुख्य अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया। नए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए चांसलर डॉ. पुनीत गोयल ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिसार। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल व अन्य।

तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश की निकाली सवारी शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

श्री तिरुपति बालाजी धाम में भगवान वेंकटेश की सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। इस अवसर पर अर्चकों ने पूरे विधि-विधान से भगवान वेंकटेश का अभिषेक किया और मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटश के विग्रह को पालकी में विराजमान किया गया। इस दौरान माता श्रीदेवी व माता भूदेवी के विग्रह को भी साथ ही शोभायमान किया गया। रथ में स्थापित पालकी को श्रद्धालुओं ने रस्सों से खींचकर सवारी शोभा यात्रा निकाली। इस दौरान पूरे धाम की विधानस्वरूप परिक्रमा की गई और पूरा धाम जय श्रीमन्ननारायण, जय तिरुपति बालाजी और जय भगवान वेंकटेश के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। सवारी शोभा यात्रा के उपरांत सभी साधकों में सात्विक गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया।

हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय गीता ज्ञान सत्संग शुरू

मैं का त्याग ही वास्तविक : संत गोपीराम

- सत्संग में श्रीमद् भगवत गीता पर प्रवचन, भजन कीर्तन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गीता जयंती (मोक्षदा एकादशी) के अवसर पर सनातन धर्म हनुमान मंदिर, नागोरी गेट के प्रांगण में श्रीधाम वृंदावन से आये संत गोपीराम महाराज के सान्निध्य में त्रिदिवसीय गीता ज्ञान सत्संग शुरु हुआ।

सत्संग में श्रीमद् भगवत गीता पर सारगर्भित प्रवचन, भजन कीर्तन किया गया। संत गोपीराम महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं, मेरेपन का त्याग ही वास्तविक त्याग है। उन्होंने कहा कि गीता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। गीता की गहन व्याख्या करते हुए उन्होंने संजय धृतराष्ट्र का संवाद प्रथम अध्याय से शुरु किया। मामका पाण्डवा का विचार होने के कारण महाभारत युद्ध हुआ। मुख्य झगड़ा जमीन, धन-स्त्री के कारण होता है। हमें गीताजी मैं, मेरेपन के त्याग का उपदेश देती है जिससे तत्काल शान्ति मिलती है। भगवान की कृपा होने से आसक्ति छूटना संभव है। आयु, बल, योग्यता इतने श्रेष्ठ नहीं है जितना ज्ञान। इसलिये भगवान कृष्ण ने अर्जुन को युद्धिष्ठर के पास भेजा। जहां भगवान कृष्ण हैं, वहां धर्नुधारी अर्जुन है और वहीं विजय निश्चित है। भगवान किसी उपाधि से बड़े नहीं हैं, वे बिना उपाधि ही सर्वेश्रेष्ठ हैं। सर्वहितकारी हैं। मंदिर ट्रस्ट के सचिव मधुसूदन गुप्ता व संयोजक बृजमोहन डालमिया ने बताया कि सत्संग शुरु होने से पहले मंदिर प्रांगण पहुंचने पर मंदिर ट्रस्ट की ओर से संत गोपीराम महाराज का स्वागत किया गया।

हिसार। हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में प्रवचन देते संत गोपीराम महाराज।

अमित जिला उपप्रधान व शंकर बने महासचिव

हिसार। जननायक जनता पार्टी ने एससी सैल की जिला कार्यकारिणी घोषित की है। पार्टी जिला कार्यालय पर एससी सैल के जिलाध्यक्ष विजेंद्र धानक बताया कि नई कार्यकारिणी गठन में जिला उपप्रधान अमित व ओमप्रकाश गहलोत को बनाया गया है। जबकि जिला महासचिव शंकर गहलोत व कुलदीप गुणपाल तथा महासचिव पद के लिए रामकुमार सेवानिवृत्त एसडीओ को नियुक्त किया गया है। सचिव पद के लिए आत्माराम, नरेंद्र कुमार, पवन कुमार, सोनू पातन, राजवीर, चरणदास, सतबीर सिंह, सोनू, सुनील कुमार, विक्रम भक्ता, ईश्वर सिंह, वीर सिंह भाटिया, दर्शन भाटिया व रंजीत लाडवाल को नियुक्त किया है। उमेद सिंह खटीक को आदमपुर हलका अध्यक्ष बनाया गया है।

रिटायर्ड प्रोफेसर के घर लाखों की चोरी, दो काबू

- गिरफ्तार दोनों युवकों से चोरी की संपूर्ण राशि की बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पीएलए चौकी पुलिस ने रिटायर्ड प्रोफेसर के घर से हुई 80 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान आर्यनगर निवासी भजन लाल व रावलवास खुर्द निवासी यूनेश कुमार उर्फ कालू के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों से चोरी की संपूर्ण राशि 80 लाख रुपये बरामद कर ली है। चौकी प्रभारी एएसआई अनूप सिंह ने बताया कि ग्रीन पार्क निवासी रिटायर्ड प्रोफेसर नंदलाल ने शिकायत दी थी कि उनके घर से 80 लाख रुपये चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत पर सिविल लाइन थाना में 23 नवंबर को केस दर्ज करके त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों को दबोच लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी भजन लाल कई वर्षों से शिकायतकर्ता के घर खाना भिजवाता था, जिसे यूनेश कुमार उर्फ कालू घर तक पहुंचाता था। इस कारण दोनों की शिकायतकर्ता के साथ पुरानी जान-पहचान थी और उन्हें पता था कि घर में 80 लाख रुपये नकद रखे हुए हैं। लोभवश दोनों ने मौके का फायदा उठाकर रुपये चोरी किए।

नवंबर में जरूरी कामों को निपटाएं, 1 दिसंबर से नियम बदलेंगे

नवंबर महीना जल्द खत्म होने वाला है और कई सरकारी और वित्तीय कामों की आखिरी तारीख भी पास आ गई है। अगर आपने अभी तक ये काम पूरे नहीं किए हैं, तो 30 नवंबर से पहले पूरा कर लें। 1 दिसंबर से कई नियम बदल जाएंगे।

सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस चुनने की आखिरी तारीख

- सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर थी, लेकिन बाद में बढ़ा दी गई। यूपीएस, एनपीएस से अलग है और इसे चुनने का मौका सीमित समय तक ही है।
- पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की डेडलाइन
- पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट 30 नवंबर तक जमा करना होगा। इसे समय पर जमा न कराने पर पेंशन रोकने का खतरा हो सकता है।

टैक्स फाइलिंग और जरूरी रिपोर्ट

- अक्टूबर 2025 में टीडीएस कटने वाले टैक्सपेयर्स को सेक्शन 194-Iए, 194-Iबी, 194एम और 194एस के तहत बयान 30 नवंबर तक जमा करना अनिवार्य है। सेक्शन 92ई के तहत रिपोर्ट देने वाले टैक्सपेयर्स भी 30 नवंबर तक आईटीआर फाइल कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ग्रुप की कॉन्स्टीट्यूएंट एंटिटीज़ के लिए फॉर्म 3सीईएए जमा करने की आखिरी तारीख भी यही है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव

- ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतें अपडेट करती हैं। 1 दिसंबर को भी नए दाम लागू होंगे। 1 नवंबर को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 6.50 रुपए तक घटाई गई थी।

एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमत

- एलपीजी की तरह एटीएफ की कीमतों में भी हर महीने बदलाव होता है। 1 दिसंबर को एटीएफ के दाम बढ़ सकते हैं या कम हो सकते हैं। नवंबर खत्म होने से पहले इन जरूरी कामों को पूरा करना बेहद जरूरी है, क्योंकि 1 दिसंबर से नियम और तारीखें बदल जाएंगी।

निवेश मंत्रा
विनोद गौतम

स्टॉक मार्केट की नब्ज पकड़ना नहीं आसान, इन बातों का रखें विशेष ध्यान

नियमित व अनुशासित निवेश ही करें

दरअसल अनिश्चितता से भरे शेयर ट्रेडिंग में भावों के उतार-चढ़ाव को समझना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। जो ट्रेडर यह समझते हैं कि मुनाफा कमाना बड़ा लक्ष्य है, वे अक्सर घाटा खाते हैं, जबकि भावों की भाषा को पढ़ने वाले कुल मिलाकर फायदे में रहते हैं, क्योंकि किसी भी शेयर के भावों में ही छिपा रहता है उसका भूत, वर्तमान और भविष्य, बस इसे पढ़ने के लिए सधी और पैनी नजर चाहिए। अब सवाल है कि भावों की भाषा पढ़ी कैसे जाए। इसका एक प्रमुख माध्यम है टेक्निकल एनालिसिस।

टेक्निकल एनालिसिस का क्या है अर्थ

टेक्निकल एनालिसिस का अर्थ है किसी स्टॉक के मार्केट डाटा का सूक्ष्म अध्ययन करके उसकी संभावित कीमत का अनुमान लगाना। इसमें मुख्य रूप से दो बातों पर गौर किया जाता है। भाव और ट्रेडिंग की मात्रा यानी वॉल्यूम। सरल शब्दों में कहा जाए तो टेक्निकल एनालिसिस के तहत देखा जाता है कि किसी खास समय अवधि में किसी स्टॉक की कीमत में कितना उतार-चढ़ाव आया। इस अवधि में इसकी ट्रेड की गई संख्या में क्या कभी कोई बड़ा उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

इक्विटी मार्केट में निवेश एक अनुशासन है। इसे तोड़ने पर जोखिम उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि निवेश के फैसलों में अपवाद को नियम मान लेने की चूक कई लोगों करते हैं। मसलन, आम धारणा है कि इक्विटी फंड में एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। इक्विटी फंड में निवेश एसआईपी के जरिये करना चाहिए, ताकि समय के साथ लागत की एवरेजिंग होती रहे। ऐसा करने के कई फायदे हैं। फिर भी, कई लोगों के पोर्टफोलियो इस नियम का पालन नहीं करते हैं और वे इसकी वजहें भी बताते हैं कि मुझे एक बार में यह रकम मिली थी और किसी ने मुझे बताया कि इसे एकबार में ही इस फंड में लगा देना चाहिए या मुझे पता है कि सेक्टर फंड्स से अभी परहेज करना चाहिए, लेकिन यह तो साफ दिख रहा है कि इंफ्रास्टक्चर का हाल बेहतर होने वाला है, तो मैंने इंफ्रा फंड में एक बार में ही मोटी रकम लगा दी या इक्विटी में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लिहाजा मैंने एफडी में 10 साल के लिए यह रकम लगा दी। ये तो एफडी की तरह ही हैं। ये तमाम तर्क टिपिकल हैं और इनमें से ज्यादातर मामलों में निवेशक ने सोच-समझकर निवेश नियमों का उल्लंघन करने का निर्णय किया होता है। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद को अपनी तर्क बुद्धि से या सलाहकार की मदद से यह समझा ले जाते हैं कि मौजूदा हालात में आम नियम का रास्ता छोड़ना फायदेमंद होगा।

ऐसे समझें

निवेश में अनुशासन व नियमों को समझने के लिए यहां एक उदाहरण पेश है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक डॉक्यूमेंट है। 'पावर ऑफ टेन' के नाम से। इसे नासा के कंप्यूटर साइंटिस्ट गेरार्ड होल्जमैन ने तैयार किया था। इसमें सेफ्टी-क्रिटिकल सॉफ्टवेयर डिवप्प करने के 10 नियम बताए गए हैं। इसके रिसर्च के दौरान होल्जमैन ने पाया था कि अगर नियमों का पालन किया जाए, तो उन्हें कानून की तरह मानना होगा, न कि दिशानिर्देश की तरह। और कुछ ही नियमों का होना बेहतर है, जिनका कभी उल्लंघन न हो। निवेश पर यह उदाहरण बिल्कुल फिट बैठता है। कहने का मतलब कि निवेश के नियमों में अपवाद की कोई जगह नहीं है। हमेशा बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए। और यह नियम है कि इक्विटी में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करें। न ही सीधे शेयर बाजार में और न ही म्यूचुअल फंड में। अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखें, एसआईपी अपनाएं, नियमित निवेश का पैटर्न अपनाएं। कभी कभार हो सकता है कि ऐसे हालात बनें, जिनमें निवेश के बुनियादी नियमों के उल्लंघन से बेहतर रिटर्न मिले, लेकिन ऐसे मामले नाममात्र के ही होते हैं।

ट्रेडिंग के जरूरी सूत्र

1. ट्रेडर के लिए सबसे अहम है भावों की भाषा
2. टेक्निकल एनालिसिस से समझें भावों की धड़कन
3. टेक्निकल एनालिसिस में चार्ट का अध्ययन अहम
4. ट्रेडर को प्राइस व वॉल्यूम का आकलन करना चाहिए
5. टेक्निकल एनालिसिस से ट्रेंड अनुमान लगा सकते हैं

टेक्निकल व फंडामेंटल एनालिसिस में अंतर

फंडामेंटल एनालिसिस में जहां हम लंबे निवेश के नजरिए से कंपनी के अतीत और वर्तमान को कसौटी पर कसने की कोशिश करते हैं, वहीं टेक्निकल एनालिसिस मूल रूप से भावों की तात्कालिक गणना पर आधारित पद्धति है। इसका उद्देश्य ट्रेडर की मदद करना होता है। फिर चाहे वह ट्रेडर इंट्रा डे हो या फिर शॉर्ट टर्म ट्रेडर। फंडामेंटल एनालिसिस में हम कंपनी की आय, उसके द्वारा दिए गए लाभांश और शोध जैसी बातों को अपने अध्ययन का आधार बना सकते हैं।

ऐसे करें एनालिसिस

टेक्निकल एनालिसिस में इनमें से कुछ संकेतकों का उपयोग किया जा सकता है लेकिन इसमें मुख्य रूप से कुछ विशेष टूल्स और तकनीक का इस्तेमाल किया जता है। इन विशेष साधनों में एक है चार्ट का अध्ययन। चार्टों के जरिए टेक्निकल एनालिसिस करने वाला ट्रेडर दो अहम चीजों पर ध्यान देता है- पहला प्राइस मूवमेंट और दूसरा शेयर का ट्रेंड। अगर कोई शेयर आपके द्वारा निर्धारित कीमत से दो फीसदी गिर भी जाता है तो मुमकिन है कि वह अपट्रेंड हो। यानी उसमें मुनाफा वसूली या किसी और वजह से थोड़े वक्त के लिए करेक्शन आया हो लेकिन वह जल्द ही फिर से रफ्तार पकड़ सकता है। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए हम समझने की कोशिश करते हैं कि किस सीमा के बाद कोई शेयर दिशा बदल सकता है।

कई तरह के चार्ट पैटर्न

टेक्निकल एनालिसिस में काम आने वाले चार्ट पैटर्न भी कई तरह के होते हैं। जैसे- हेड एंड शोल्डर, डबल टॉप या बॉटम वगैरह। इसके अलावा जो चीज टेक्निकल एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह है मूविंग एवरेज। मूविंग एवरेज पर अलग से चर्चा करेंगे, फिलहाल हम आपको उसका एक परिचय देते चलें। मूविंग एवरेज का अर्थ है कि कोई शेयर किसी खास अवधि में किस औसत भाव के साथ मूव कर रहा था। इसका आकलन लगाने में हम कुछ और तकनीकी बिंदुओं पर गौर कर करते हैं, जैसे, सपोर्ट और रेजिस्टेंस। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए शेयर के भावों का अर्थशास्त्र समझने में मदद मिलती है।

शेयर बाजार में क्या है अपर सर्किट और लोअर सर्किट?

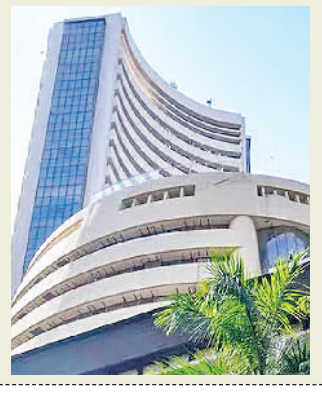

क्यों घटता-बढ़ता है शेयर का मूल्य?

सामान्य निवेशक इस बात को लेकर कभी कभी बहुत हैरान रहते हैं कि शेयर का मूल्य किस हिसाब से बढ़ता और घटता रहता है। शेयर का मूल्य दो कारणों से बढ़ता या घटता रहता है। पहला कारण शेयर की सप्लाई और डिमांड और दूसरा कारण कंपनी द्वारा मुनाफा कमाना या कंपनी का घाटा। लेकिन, अगर हम स्टॉक ट्रेडिंग में देखें तो शेयर की सप्लाई और डिमांड की वजह से अधिकतर शेयर का मूल्य घटता बढ़ता रहता है। जब भी शेयर की डिमांड बढ़ती है यानी ज्यादा लोग खरीदते हैं तो उसका दाम बढ़ जाता है। और, जब लोग शेयर को बेचना स्टार्ट कर देते हैं तब शेयर का मूल्य घटने लगता है यह इस तरह से काम करता है।

लोअर सर्किट को ऐसे समझें

मान लीजिए आपके पास किसी कंपनी का शेयर हैं। किसी वर्ष के दौरान उस कंपनी को किसी कारणवश घाटा लगना शुरू हो जाता है। ऐसे में आप उस कंपनी का शेयर बेचने लगेंगे। ऐसे ही बहुत से लोग जो उस कंपनी के शेयर को लिए होंगे वह भी बेचना शुरू कर देंगे। जब सब बेचना शुरू कर देंगे तो एक ही दिन में उस कंपनी का शेयर शून्य तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में शेयर का मूल्य एक निश्चित सीमा तक गिरे इसके लिए एमएसई तथा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ नियम बनाए हैं। जिनके अंतर्गत जब किसी कंपनी में अचानक सब लोग शेयर बेचना शुरू कर दें तो एक निश्चित सीमा तक ही उस शेयर का मूल्य घटेगा। उसके बाद उस शेयर की ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। यह जो मूल्य घटने की सीमा है, उसे ही लोअर सर्किट कहते हैं।

कैसे काम करता है अपर सर्किट

अपर सर्किट को एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए कि आपके पास किसी कंपनी के शेयर हैं। उस कंपनी को खूब मुनाफा होता है या किसी कारणवश उस कंपनी में निवेशकों की रूचि बढ़ जाती है। ऐसे में उस कंपनी के शेयर का दाम खूब चढ़ने लगता है। ऐसे में किसी कंपनी के शेयर का मूल्य एक ही दिन में आसमान में पहुंच जाएगा। इसी हालत से बचने के लिए शेयर बाजार में अपर सर्किट का प्रावधान है। उस निश्चित मूल्य सीमा तक उस कंपनी के शेयर का दाम पहुंचते ही उसमें अपर सर्किट लग जाएगा और उसकी ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। जिस तरह से लोअर सर्किट पर 10, 15 और 20 फीसदी का नियम लागू होता है, वही नियम अपर सर्किट पर भी लागू होता है। लोअर सर्किट के तीन चरण होते हैं। यह 10 फीसदी, 15 फीसदी और 20 फीसदी की गिरावट पर लगता है। यदि 10 फीसदी की गिरावट दिन में 1 बजे से पहले आती है, तो बाजार में एक घंटे के लिए कारोबार रोक दिया जाता है। इसमें शुरुआती 45 मिनट तक कारोबार पूरी तरह रुका रहता है और 15 मिनट का प्री-ओपन सेशन होता है।

क्या आपके पीएफ अकाउंट में भी सितंबर-अक्टूबर का कंट्रीब्यूशन नहीं दिख रहा

उन सैलरीड कर्मचारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है जिनके पीएफ पासबुक में सितंबर और अक्टूबर 2025 की सैलरी से कटे पैसे अभी तक नहीं दिख रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कहा है कि ये सिर्फ एक अस्थायी तकनीकी दिक्कत है, जल्दी ठीक हो जाएगी। ईपीएफओ अपना नया और अपग्रेडेड इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न सिस्टम लॉन्च कर रहा है। इसलिए हाल के महीनों की पीएफ एंट्री फेज में डाली जा रही हैं। इसी वजह से कुछ लोगों की पासबुक में सितंबर-अक्टूबर के पैसे अभी गायब या अधूरे दिख रहे हैं।

पासबुक लाइट से होगी आसानी

बता दें कि ईपीएफओ ने हाल ही में 'पासबुक लाइट' नाम की नई सुविधा शुरू की है। इसमें आप देख सकते हैं कि आपके खाते में कितना पैसा जमा हुआ, कितना निकला और अभी कितना बचा हुआ है। मतबल जरूरी जानकारी के लिए आसान सुविधा शुरू की गई है। ये सुविधा मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध है। इसके लिए अलग से पासबुक वाली वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही इससे ट्रैफिक ज्यादा होने पर भी सिस्टम हैंग भी नहीं होता और जल्दी जानकारी मिल जाती है।

ई-सेवा पोर्टल पर पीएफ पासबुक कैसे चेक करें

- यूएएन मेंबर ई-सेवा पोर्टल पर जाएं।
- अपना यूएएन, पासवर्ड डालें और ओटीपी से लॉगिन करें।
- डैशबोर्ड पर 'पासबुक लाइट' चुनें, वहां से स्टेटमेंट देखें या डाउनलोड करें।

उमंग ऐप पर पासबुक कैसे देखें

- उमंगऐप में लॉगिन करें।
- ईपीएफओ सर्विस सर्च करें और 'व्यू पासबुक' पर क्लिक करें।
- यूएएन डालें, ओटीपी से वेरीफाई करें, अपना मेंबर आईटी चुनें और ई-पासबुक डाउनलोड कर लें।

ऑनलाइन पीएफ क्लेम करने के लिए क्या-क्या चाहिए

- ऑनलाइन क्लेम डालने वाले मेंबर्स को ये चीजें पहले से पूरी करनी जरूरी हैं:
- यूएनएन एक्टिवेट होना चाहिए और उससे जुड़ा मोबाइल नंबर काम कर रहा हो।
- आधार लिंक और ओटीपी से वेरीफाई होना चाहिए।
- बैंक अकाउंट डिटेल्स ईपीएफओ में अपडेट होनी चाहिए।
- अगर सर्विस 5 साल से कम है और फाइनल सेटलमेंट करना है तो पेन भी लिंक होना चाहिए।

जैसे-जैसे ईपीएफओ नया सिस्टम पूरी तरह लागू करेगा, सितंबर-अक्टूबर 2025 के पीएफ पैसे जल्दी ही सभी की पासबुक में दिखने लगेंगे।

यूपीआई वेरिफिकेशन से लेकर 'स्पॉट ए स्कैम' टूल तक, निवेशकों को फ्रॉड से बचाने के लिए सेबी के सुझाव

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यम की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। बीएसई के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं, यह चुनौती और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसलिए, निवेशक सुरक्षा को मजबूत करना नियामक की प्रमुख प्राथमिकता बन गया है। योजनाओं की पहचान करने में और अधिक सहायता करने के लिए 'स्पॉट ए स्कैम टूल' पेश किया है, जो यूजर्स की ऑनलाइन प्रामाणिकता सत्यापित करने में मदद करता है। पांडेय ने बताया कि सेबी ने पिछले 18 महीनों में मेटा, गूगल, टेलीग्राम और एक्स सहित सोशल मीडिया एवं सर्च मंचों पर गैरकानूनी या भ्रामक ऑनलाइन सामग्री के एक लाख से अधिक मामलों को चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि इसके अनुरूप विनियमित संस्थाओं को सोशल मीडिया पर अनियमित सलाहकारों के साथ जुड़ने की अनुमति नहीं है, जिससे झूठे दावों व हानिकारक पेशकशों के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।

यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया

सेबी ने इन प्रयासों के तहत यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पेमेंट सिर्फ सेबी रजिस्टर्ड मध्यस्थों की प्रामाणिक यूपीआई आईडी पर ही किए जाएं। बाजार नियामक ने जांच सुविधा का भी विस्तार किया गया है जिससे निवेशक 'सेबी इन्वेस्टर' वेबसाइट और सारथी मोबाइल ऐप पर बैंक खातों की वास्तविकता की तुरंत पुष्टि कर सकते हैं। यह समझते हुए कि धोखाधड़ी की गतिविधि बिना किसी चेतावनी के हो सकती है निवेशक अब स्वेच्छा से अपने लेनेदने के खातों को 'फ्रीज' या 'ब्लॉक' कर सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे 'हैक' किए गए डेबिट कार्ड को 'ब्लॉक' किया जाता है। यह विकल्प तत्काल सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

गारंटीड रिटर्न के वादे से रहें सावधान

कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले ऐप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी रेगुलेटेड मार्केट नहीं दे सकता। बाजार नियामक के प्रमुख ने खतरे की गंभीरता को दोहराते हुए कहा कि ऐसे "नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित ट्रेड प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित करते हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार के मामले कोई छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि निवेशकों के विश्वास, जिज्ञासा और आकांक्षाओं का फायदा उठाने के समन्वित प्रयास हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लोग 'अवसर की आड़ में धोखे' का शिकार न हों।

पारिवारिक वसीयत में सही हिस्सा नहीं मिला? जानें, क्या है कानून और कोर्ट में क्या माना जाता है सबूत

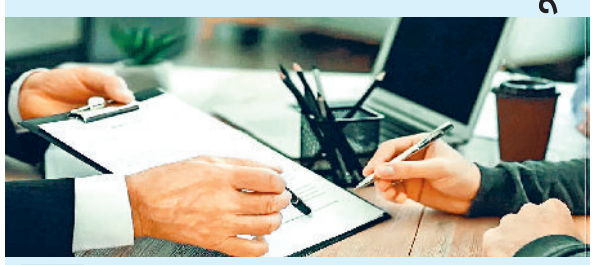

परिवार में वसीयत को लेकर झगड़े अक्सर रिश्तों को बिखेर देते हैं। अगर वसीयत में हिस्से बराबर न हों या लगे कि कोई बाहर से दखल दे रहा था, तो मामला और उलझ जाता है। लेकिन कानून के मुताबिक, सिर्फ असमानता देखकर वसीयत को चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बहुत मजबूत सबूत चाहिए। अगर परिवार पहले से ही सही कदम उठाएं, तो लंबी अदालती लड़ाई और पैसे की बर्बादी से बच सकते हैं। खैतान एंड कंपनी की पार्टनर ज्योति सिन्हा बताती हैं कि ऐसे मामलों में सही जानकारी होना जरूरी है, वरना छोटी-छोटी बातें नजरअंदाज हो जाती हैं।

छिपे हुए संकेत जो नजर नहीं आते

परिवार वाले अक्सर उन छोटे-छोटे इशारों को मिस कर देते हैं, जो वसीयत में गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं। सिन्हा कहती हैं कि अगर कोई फायदा उठाने वाला शख्स लंबे समय से टेस्टेटर (वसीयत बनाने वाला) के करीब रहा हो और फैसले प्रभावित करने की कोशिश करता दिखे, तो ये दबाव या अनुचित प्रभाव का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, वसीयत में हस्ताक्षर में कुछ असामान्य हो, जैसे डॉक्टर का सर्टिफिकेट न होना जो दिमागी हालत की पुष्टि करे, या जहां काट-पीट हुई हो वहां इनिशियल्स न हों, तो ये चेतावनी के घंटे हैं। ये चीजें खुद-ब-खुद वसीयत को अमान्य नहीं बनातीं, लेकिन जांच की जरूरत बताती हैं। सिन्हा की सलाह है कि इन पर गौर करके जल्दी कदम उठाएं, क्योंकि वक्त बीतने पर सबूत गुम हो सकते हैं।

सबूत जुटाने की जल्दबाजी क्यों?

समय बहुत कीमती है ऐसे मामलों में। सिन्हा कहती हैं कि वसीयत बनाने के वक्त की घटनाओं का टाइमलाइन बनाएं, टेस्टेटर की शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा करें। असली हस्ताक्षर के नमूने, फोटो, चिट्ठियां या ईमेल जैसे दस्तावेज रखें, जो ये साबित करें कि वसीयत प्राकृतिक है या संदिग्ध। परिवार अक्सर सोचते हैं कि उनके पास जो कागज हैं, वो बेकार हैं, लेकिन सिन्हा की राय है कि सब कुछ वकील को दिखाएं। वो तय करेंगे कि क्या काम आएगा। अगर देर की, तो महत्वपूर्ण चीजें खो सकती हैं।

अदालतें कैसे काम करती हैं?

जज लोग वसीयत पर दस्तखत करते वक्त की परिस्थितियों को गौर से जांचते हैं। सिन्हा बताती हैं कि क्या टेस्टेटर आजाद था, उसे सब समझ आ रहा था? बीमारी, नशा या कोई ऐसी चीज जो फैसले पर असर डाले, उसकी जांच होती है। अनुचित प्रभाव साबित करना काफी मुश्किल है, क्योंकि कानूनी स्तर ऊंचा है।

अगर वसीयत से बाहर कर दिया गया तो?

वसीयत से नाम कटना अकेले चुनौती का आधार नहीं होता। सिन्हा कहती हैं कि पहले देखें कि बिना वसीयत के संपत्ति कैसे बंटती। अगर कोई कानूनी वारिस 'अप्राकृतिक बहिष्कार' का दावा करता है, तो वो सेल्फ-अक्वायर्ड संपत्ति के लिए मुश्किल से मान्य होता है, लेकिन पैतृक संपत्ति के लिए काम कर सकता है। ऐसे में कोई कदम उठाने से पहले वकील से बात जरूर करें, क्योंकि मामला जटिल है।

अलर्ट हर साल गुजरना पड़ता है इस प्रक्रिया से, जानकारी होना जरूरी

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट स्वीकार हुआ या नहीं, इस चिंता में हैं? ऐसे चुटकियों में करें चेक

पेंशन जारी रखने के लिए सालाना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना एक जरूरी काम होता है। लेकिन, बहुत से बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि उनका डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बैंक या पेंशन डिपार्मेंट ने एक्सेप्ट कर लिया या नहीं। नीचे हम जानेंगे कि यह पूरा सिस्टम कैसे काम करता है, इसमें क्या-क्या जानकारी देनी पड़ती है। साथ ही इसमें सबसे जरूरी काम यह पता करना होता है कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हो गया या नहीं। लाइफ सर्टिफिकेट एक आधार आधारित डिजिटल सर्टिफिकेट है। इससे पेंशन लेने वाले व्यक्ति के जीवित होने की पुष्टि हो जाती है, वो भी बिना बैंक या डिपार्टमेंट के चक्कर लगाए। जैसे ही आप इसे बनाते हैं, यह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से आपके पेंशन देने वाले बैंक या डिपार्टमेंट तक पहुंच जाता है। हर सर्टिफिकेट का एक अलग प्रमाण-आईडी नंबर होता है, जिससे आप और डिपार्टमेंट दोनों उसकी स्थिति देख सकते हैं।

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाते समय आपको ये जानकारी डालनी होती है

⏭ आधार नंबर और नाम ⏭ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर ⏭ पेंशन पेमेंट ऑर्डर नंबर ⏭ पेंशन खाते का नंबर और बैंक का नाम ⏭ पेंशन मंजूर करने वाले डिपार्टमेंट और पेंशन देने वाले बैंक/डिपार्टमेंट का नाम ⏭ इसके बाद फिंगरप्रिंट, आंख की स्कैन या चेहरे की पहचान (बायोमेट्रिक) देनी जरूरी है। अगर कोई भी जानकारी गलत हुई तो सर्टिफिकेट रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए बहुत ध्यान से भरें, क्योंकि 30 नवंबर की डेडलाइन नजदीक है।

चेहरे की पहचान से कैसे बनाएं सर्टिफिकेट

अगर आप फेस ऑथेंटिकेशन तरीका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आपके पास एंड्रॉयड फोन होना चाहिए। दो ऐप डाउनलोड करें **adhaarFaceRD** और **Jeevan Pramaan Face App**।

आगे ये करें : आधार से वेरीफाई करें, पेंशन की सारी डिटेल भरें साफ-साफ अपना चेहरा फोटो खिंचवाएं, काम पूरा होने पर आपके रजिस्टर्ड, मोबाइल पर मैसेज आएगा और डाउनलोड लिंक भी मिल जाएगा।

सबसे जरूरी: पता करें कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हुआ या नहीं , सर्टिफिकेट जमा करने के बाद यह जरूर चेक करें कि बैंक/डिपार्टमेंट ने उसे मंजूर किया है या नहीं। तरीका बहुत आसान है। ऑफिशियल वेबसाइट **jeevanpramaan.gov.in** पर जाएं, अपना प्रमाण-आईडी डालकर सर्टिफिकेट डाउनलोड करें, सर्टिफिकेट के सबसे नीचे मैसेज देखें, अगर लिखा हो कि पीडीए ने एक्सेप्ट कर लिया, मतलब काम हो गया।

अगर रिजेक्ट लिखा हो तो तुरंत नया सर्टिफिकेट सही जानकारी और बायोमेट्रिक के साथ बनवाएं।

अगर दिसंबर से पहले सही सर्टिफिकेट जमा नहीं हुआ तो पेंशन रुक सकती है। इसलिए अभी समय है, आज ही चेक कर लें और जरूरत पड़े तो दोबारा जमा कर दें।

खबर संक्षेप

मारपीट व चाकू से हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

रतिया। थाना शहर रतिया पुलिस ने 25 नवंबर को संजय गांधी चौक पर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के गंभीर मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान अजय कुमार निवासी वार्ड नंबर 12 रतिया और हैप्पी सिंह निवासी वार्ड नंबर 5, रतिया के रूप में हुई है। दोनों को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक ने बताया कि 25 नवंबर को रात्री के समय आरोपियों ने संजय गांधी चौक रतिया के पास पीड़ित अजय कुमार पुत्र कश्मीरी लाल पर हमला किया।

गो-तस्करी में छठा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। गौ-तस्करी के मामले में थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान राजेश पुत्र सरदारा राम निवासी राज नगर टोहाना के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में 5 आरोपी पहले ही काबू किए जा चुके हैं। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि वर्ष 2021 में पुलिस टीम ने कुलां चौक पर नाका लगाया था, जहां एक ट्रक रोका गया। ट्रक में पंजाब से गोवंश भरकर अवैध वध के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। ट्रक में 16 बैल ठूंस-ठूंसकर भरे मिले। ट्रक चालक साबु पुत्र नूरा और कंडक्टर सहजाद मौके पर काबू किए गए।

वसूली-धमकी मामले में सीआईए ने किया काबू

फतेहाबाद। सीआईए टोहाना ने वसूली और धमकी के मामले में एक आरोपी विशाल मैहरा पुत्र सुरेश कुमार निवासी जमालपुर शेखां को काबू किया है। इससे पहले इसी मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि प्रार्थी कृष्ण कुमार पुत्र नारायण दास, निवासी कृष्णा कालोनी टोहाना ने शिकायत दर्ज कराई कि आरोपी विशाल मैहरा, पत्रकार पवन गिल और संदीप ठरवी ने 25 और 26 मई 2025 को होटल में प्रवेश कर धमकी और भय दिखाकर कुल 80,000 रुपये वसूल लिए। प्रार्थी ने बताया कि आरोपी उसके होटल और उसके ग्राहक को बंद कराने की धमकी दे रहे थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विशाल मैहरा को काबू किया।

श्रीमती सुषमा स्वराज पुरस्कार हेतु आवेदन

सिरसा। हरियाणा सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए वर्ष 2025 के हरियाणा राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित को सुषमा स्वराज पुरस्कार के साथ पांच लाख की राशि तथा प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं उप निदेशक डा. दर्शना सिंह ने बताया कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 01 दिसंबर 2025 है। उम्मीदवार का संपूर्ण बायोडाटा और योगदान का विस्तृत विवरण अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। इच्छुक महिलाएं कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में अंतिम तिथि तक आवेदन भेज सकती हैं।

किसानों ने मार्केट कमेटी पहुंचकर जताया विरोध

नरमा की सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार और मनमानी के लगाए आरोप

- समाधान नहीं हुआ तो मार्केट कमेटी के दफ्तर पर धरना देंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। मार्केट कमेटी दफ्तर पर नरमा की लूट के विरोध में एकजुट हुए किसान।

नरमा की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के मुद्दे को लेकर शनिवार को गांव भोडियाखेड़ा, भूथन कलां, ढाणी ईशर के किसान मार्केट कमेटी फतेहाबाद के दफ्तर पहुंचे। किसानों का नेतृत्व कर रहे किसान सभा के नेता मनफूल ढाका ने बताया कि सीसीआई, नई अनाज मंडी फतेहाबाद में नरमा की खरीद कर रही है परन्तु इसमें पूरी तरह से मनमानी और हेराफेरी चल रही है।

भोडियाखेड़ा के किसान मैनपाल का नरमा सीसीआई ने 7545 रुपये एमएसपी के आप-पास खरीदा। फैक्ट्री में जाने के बाद वहां पर मौजूद कर्मचारी ने कहा कि नरमा की क्वालिटी अच्छी नहीं है, इसलिए इसे वापस ले जाओ। यह वही कर्मचारी था जिसने अनाज मंडी में इस ढेरी की बोली लगा कर पास किया था। ढेरी रिजेक्ट होने के बाद किसान ने रात को ट्रैक्टर-ट्रॉली वहीं फैक्ट्री में ही खड़ी करके देर रात घर लौट गया। इसी मुद्दे को लेकर किसान सभा ब्लॉक समिति के सदस्य कृष्ण ज्याणी भूथन कलां, भोडिया खेड़ा के पीडित किसानों को साथ लेकर मार्केट कमेटी सचिव फतेहाबाद के दफ्तर पहुंचे। हालांकि सचिव चंडीगढ़ मीटिंग में व्यस्त थे तो किसान नेता मनफूल ढाका ने उनसे फोन पर बात की और सारा मामला बताया। इस पर सचिव ने बताया कि वे चंडीगढ़ में कोई मीटिंग में व्यस्त हैं और इस मामले में कुछ नहीं कर सकते।30 किलो से एक क्विंटल की काट काटीइस पर किसानों ने वहां मौजूद अन्य अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो मार्केट कमेटी के दफ्तर पर धरना लगाया जाएगा। इसके तुरंत बाद सचिव ने फोन कर कहा कि सम्बंधित किसान का उसी रेट 7545 पर तुरंत नरमा तुला दिया गया है। किसानों ने कहा कि सीसीआई से खरीद के बाद मिल में जाकर हर ढेरी से 30 किलो, 80 किलो, 1 क्विंटल तक नरमा की काट काटी जाती है। सीसीआई द्वारा सरकारी खरीद 7400 से 7800 के आसपास की जा रही है और इसमें क्वालिटी और नमी के कई मानदंड रखे गए हैं जिनसे किसान सभा सहमत नहीं है, यह सब अधिकारियों और फैक्ट्री मालिकों को किसानों का शोषण करने का पूरा मौका मिलता है।

अधिकारियों को दी जाएगी शिकायत

भूथन कलां के किसान अमरजीत सिंह ढाका ने बताया कि उसका नरमा 27 नवंबर को सीसीआई ने खरीदा और फैक्ट्री में पहुंचने के बाद ढेरी में से 30 किलो नरमा की काट काट ली गई। इसके बारे में मार्केट कमेटी सचिव को अवगत करा दिया गया है और इसकी लिखित शिकायत संबंधित अधिकारियों को की जाएगी। किसानों ने कहा कि आने वाले दिनों में इस बारे में कपास किसानों की लामबंदी करके लड़ाई लड़ी जाएगी। जिले भर के नरमा कपास के किसानों को एकजुट कर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इस लड़ाई को आगे पुरजोर लड़ा जाएगा। इस अवसर पर राजेश, जितेन्द्र, सुमित, सचिन, विक्रम आदि किसान मौजूद रहे।

फतेहाबाद। बैठक में सरकार के रवैये पर रोष जताते रिटायर्ड कर्मचारी।

रिटायर्ड कर्मी 17 को डीसी कार्यालय पर देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लाक फतेहाबाद की बैठक प्रधान मा. रामदास की अध्यक्षता में पटवार भवन में हुई। बैठक का संचालन ब्लाक सचिव हरकिशन लाल कम्बोज ने किया वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर केन्द्रीय कमेटी सदस्य जोगिन्द्र भ्याना और जिला वित्त सचिव रघुनाथ मेहता ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 17 दिसम्बर को पेंशनर्ज की लंबित मांगों को हल करवाने को लेकर जिला स्तर पर प्रदर्शन कर डीसी कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। बैठक में सर्वप्रथम बिजली निगम के जेई पवन शर्मा की पत्नी, अध्यापक नेता सुरजीत दुसाद के पिता, शिक्षाविद् प्रो. एलआर भ्याना, जीपीएस बोसवाल मा. अंकित इन्सां, फतेहाबाद नगरपरिषद के चालक बलवंत, नत्थूराम ढाका, लाइनमैन रणधीर सिंह के पुत्र तथा दिल्ली में हुए बम धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक में रिटायर्ड कर्मियों ने उनकी मांगों व मुद्दों के प्रति केन्द्र व राज्य सरकार के उदासीन रवैये पर चिंता व्यक्त की। मुख्य वक्ता जोगिन्द्र भ्याना व रघुनाथ मेहता ने कहा कि केन्द्र द्वारा 8वें वेतन आयोग का गठन किया गया है जिसमें सरकार ने टर्म ऑफ रेंफरेंस जारी कर दी है। इसमें अनफंडिड कोस्ट आफ नॉन कंट्रीब्यूटिड पेंशन जैसे विवादित शब्दों को जोड़ा गया है।

ये रहे मौजूद

मौके पर मोहन लाल नारंग, बनारसी दास मोंगा, डॉ. रामेश्वर दास, ओमप्रकाश चड्ढा, रामकिशन तंवर, भगवंत सिंह सेठी, परमजीत सिंह, बलबीर सिंह, मा. भूपेन्द्र सिंह, चंचल सिंह, जसबीर सिंह, मा. बलवंत सिंह, जसवंत सिंह, सुखदेव सिंह, सोहन सिंह सहित अनेक रिटायर्ड कर्मी मौजूद रहे।

रेल यात्री एसोसिएशन ने की टोहाना में बंद 7 ट्रेनें फिर से चलाने की मांग, सांसद सुभाष बराला को सौंपा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना। सांसद सुभाष बराला को मांग पत्र सौंपते दैनिक रेल यात्री वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

दैनिक रेल यात्री वेलफेयर एसोसिएशन ने टोहाना में रेलवे द्वारा बंद की गई सात रेलगाडिय़ों को फिर से शुरू करने की मांग की है। इसको लेकर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को प्रधान राजेश नागपाल के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला से मिला और उन्हें मांग पत्र सौंपा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को रेलवे मंत्रालय तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।एसोसिएशन के प्रधान राजेश नागपाल ने बताया कि हिसार से लुधियाना के बीच चलने वाली कई रेलगाडिय़ों को बंद कर दिया गया है। एसोसिएशन ने मांग की है कि हिसार से लुधियाना वाया धुरी और लुधियाना से हिसार के बीच आंशिक रूप से रद्द की गई गाडिय़ों को तत्काल बहाल किया जाए। इनमें गाड़ी संख्या 54603-54604, 54605-54606, 54633-54634 और 54635-54636 शामिल हैं। ये गाडिय़ां 1 दिसंबर 2025 से 23 फरवरी 2026 तक रद्द की गई हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इन रेल गाडिय़ों को लुधियाना स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण बंद किया गया है। एसोसिएशन ने सुझाव दिया कि इन गाडिय़ों का संचालन धुरी जैसे अन्य स्टेशनों से किया जा सकता है। उन्होंने कम से कम एक गाड़ी का संचालन धुरी से सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रधान राजेश नागपाल के साथ सचिव नवीन सैनी, कैशियर विकास सेठी, सहसचिव विष्णु गोयल, जल सेवा प्रमुख कश्मीरी लाल यादव, उप प्रधान लक्ष्मण दास बंसल, बलविंदर सैनी, बलकार, सुरेश कुमार, जगसीर सिंह, हंसराज, नौरंग पवन और अनिल आदि मौजूद रहे।

जिस व्यक्ति पर हो प्रभु की कृपा, उसका जीवन हो जाता धन्य : भुवनेश्वरी देवी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

रतिया। प्रवचन करते हुए स्वामी भुवनेश्वरी देवी। फोटो : हरिभूमि

सतगुरु सेवा ट्रस्ट,रतिया के तत्वाधान में आयोजित 5 शाम कन्हैया के नाम संगीतमय प्रवचन संध्या के तृतीय दिवस का शुभारम्भ सती माता मंदिर कमेटी के प्रधान सोमनाथ गर्ग ने दीप प्रज्वलित करके किया। ध्वजारोहण की रस्म विक्की मेहता व नितिन मेहता ने निभाई। शहर के शीतला माता मंदिर के समीप बाबा बंदा बहादुर सिंह गुरुद्वारा कमेटी ग्राउंड में आयोजित इस धार्मिक समागम में व्यास पीठ पर विराजमान स्वामी भुवनेश्वरी देवी महाराज ने युगल जोड़ी सरकार, गुरुदेव व व्यास पीठ को नमन करते तृतीय दिवस की कथा का मंगलाचरण किया। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति पर प्रभु की कृपा हो जाती है,उसका जीवन धन्य हो जाता है। राम नाम लेने मात्र से ही व्यक्ति के सभी संकटों का नाश हो जाता है।

उन्होंने कहा कि इसलिए सबको धार्मिक सत्संगों में जाकर प्रभु के नाम का सिमरन करना चाहिए। संसार में जो प्राप्त है,वही पर्याप्त है। यही सोचकर जीवन जीना चाहिए। जितना मिला है, उसमें ही संतुष्ट होना आवश्यक है। तृतीय प्रवचन संध्या का समापन प्रभु की पावन पुनीत आरती से किया गया। इसमें अग्रवाल सभा के प्रधान प्रमोद बांसल, सती माता मंदिर के प्रधान सोमनाथ गर्ग, श्री अरोड़वंश सभा के प्रधान राजपाल ग्रोवर, डॉ. नरेश गोयल सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सहायक कृषि अभियंता ने दी जानकारी

ब्लॉक स्तर पर 2 से 4 दिसंबर तक होगा भौतिक सत्यापन का कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत श्रेणी में किसानों द्वारा सब्सिडी पर खरीदी गई फसल अवशेष प्रबंधन यानि सीआरएम मशीनों का भौतिक सत्यापन 2 दिसंबर से 4 दिसंबर तक सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक निदेशालय द्वारा निर्धारित किया गया है। यह सत्यापन उन मशीनों का होगा जिनके बिल 30 नवंबर तक विभाग के पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं। सहायक कृषि अभियंता पवन कुमार ने बताया कि 2 दिसंबर को कृषि यंत्र सुपर सीडर का भौतिक सत्यापन किया जाएगा, जिसमें ब्लॉक टोहाना, जाखल व भूना के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, ब्लॉक रतिया, नागपुर व भूना के लिए सहनाल रोड कोर्ट के सामने रतिया, ब्लॉक फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिटी पुलिस स्टेशन सेक्टर 10 फतेहाबाद में किया जाएगा। 3 दिसंबर को कृषि यंत्र बेलिंग यूनिट यानि स्ट्रा बेलर, रेक व श्रब मास्टर/रोटरी स्लेशर का भौतिक सत्यापन खंड टोहाना, जाखल व भूना के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, खंड रतिया, नागपुर व भूना के लिए सहनाल रोड कोर्ट के सामने रतिया तथा खंड फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिटी पुलिस स्टेशन सेक्टर 10 फतेहाबाद में किया जाएगा। 4 को विभिन्न मशीनों जैसे रीपर कम बाइंडर, स्मार्ट सीडर, जीरो टिल, सुपर एसएमएस, मल्चर, लोडर आदि के लिए ब्लॉक टोहाना, जाखल व भूना के लिए अनाज मंडी धारसूल कलां, ब्लॉक रतिया, नागपुर व भूना के लिए सहनाल रोड कोर्ट के सामने रतिया, ब्लॉक फतेहाबाद, भट्टू कलां व भूना के लिए सिटी पुलिस स्टेशन सेक्टर 10 फतेहाबाद में किया जाएगा।

देहाती मजदूर सभा का सम्मेलन सुखदेव सिंह चुने गए जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने जाते देहाती मजदूर सभा के सदस्य।

देहाती मजदूर सभा, जिला फतेहाबाद का तीसरा सम्मेलन कामरेड जीत सिंह की स्मृति में आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला प्रधान नत्थू राम चौबारा ने की तथा मंच संचालन जिला सचिव जसपाल सिंह खुन्डन ने किया। मुख्य वक्ता के तौर पर तजिन्द्र सिंह, बलदेव सिंह नुरपूरी, पंजाब राज्य अध्यक्ष दर्शन सिंह नाहर ने भाग लिया और देश व प्रदेश में मजदूरों की समस्याओं और उनकी जिंदगी के बारे विचार रखे। सम्मेलन में 9 सदस्यीय जिला कमेटी का चुनाव करवाया गया, जिसमें सुखदेव सिंह को जिलाध्यक्ष, जसपाल सिंह खुन्डन को जिला सचिव, धलवन्त सिंह, तारा सिंह, वीरेंद्र सिंह, गुरदेव सिंह, इन्द्र जीत बोसवाल, लखा सिंह और बलजीत को जिला कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। सम्मेलन के बाद सभा द्वारा मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रधान मन्त्री को मांग पत्र भेजा गया। देहाती मजदूर सभा ने मांग की है कि मनरेगा के सभी कच्चे काम पुनः शुरू किये जाए। मजदूर विरोधी संहिताएं रद्द व लेबर कोड रद्द हो। मनरेगा मजदूरों को पूरा साल काम व दिहाड़ी 700 रुपये प्रतिदिन की जाए। फैमिली आईडी रद्द की जाए तथा फैमिली आईडी की आड़ में मजदूरों के काटे गये पीले व गुलाबी राशन कार्ड बहाल किए जाएं। प्रीपेड मीटर बिजली बिल 2020 रद्द किया जाए व 200 यूनिट सभी गरीबों को मुफ्त दी जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी लाभार्थियों की बकाया राशि जारी की जाए।

फतेहाबाद: पूर्णाहूति के साथ शतचंडी हवन ऑका का समापन, मूर्ति विसर्जन आज

फतेहाबाद। सर्व श्री चंडी माता मंदिर अशोक नगर में चल रहे श्री शतचण्डी हवनात्मक महायज्ञ और रूद्र याग का समापन पूर्णाहुति व कन्यादान के साथ हुआ। महाआरती के बाद जरूरत परिवार की लडकी का विवाह कराया गया। कार्यक्रम में रोहतक से महामंडलेश्वर कर्णपुरी महाराज विशेष तौर पहुंचे। मंदिर गद्दीनशीन माता सत्यम देवा ने उनका विधिवत स्वागत किया। कार्यक्रम सर्व श्री चंडी माता सेवा ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन इंद्र गावड़ी, भाजपा नेता भवानी सिंह विशेष तौर पर मौजूद रहे। यज्ञशाला में आचार्य भीष्म भारद्वाज व पंडित भोला दत्त शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना और आहुतियां दी गई तथा जन-कल्याण व विश्व शांति की कामना की गई। 9 दिवसीय इस कार्यक्रम का समापन शनिवार को पूर्णाहूति व कन्यादान के साथ किया गया। अंत मे लंगर भी चला। मंदिर ट्रस्ट के प्रधान संजय आहूजा, प्रमुख सेवादार संजय शर्मा ने बताया कि 30 नवंबर को मूर्ति विसर्जन के साथ कार्यक्रम का अंतिम चरण पूरा किया जाएगा।

अन्तरराष्ट्रीय विकलांग दिवस पर सुशील आजाद होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

विकलांग अधिकार मंच जिला फतेहाबाद कमेटी द्वारा 3 दिसम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस जिला स्तर पर रतिया में धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय संगठन में कार्यरत पटियाला के सुशील कुमार आजाद को विश्व स्तर पर श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। मंच के जिला सहसचिव कर्मजीत सिंह पदम ने बताया कि जिला स्तरीय कमेटी ने सुशील आजाद के व्यक्तित्व और विश्व स्तरीय हिंदी भाषा और संस्कृति के विकास के लिए सम्मानित करने का निर्णय लिया है। आजाद लगभग 31 वर्षों से शिक्षण कार्य से समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने रूस में लगभग साढे तीन वर्ष भारतीय दूतावास के केंद्रीय विद्यालय में हिंदी भाषा एवं संस्कृति के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होने विदेश से रूसी रामलीला के मंचन में अतुलनीय सहयोग दिया है। आजाद को रूस में भारतीय राजदूत डीबी वेंकटेश वर्मा द्वारा भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय हिंदी सृजन सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद बंसल, अध्यक्ष अग्रवाल सभा एवं महाराजा अग्रसैन चैरीटेबल ट्रस्ट हस्पताल रतिया होंगे।

आयोजन | सांसद खेल महोत्सव, क्वालीफायर खेलों का चेयरमैन ने किया शुभारंभ

रतिया, नागपुर और फतेहाबाद ब्लॉक की विजेता टीमें ले रहीं भाग

खेल ही है समग्र विकास की नींव खेलों से जुड़े युवा : वेद फुलां

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

रतिया। गांव फुलां में खिलाडिय़ों को प्रोत्साहित करते चेयरमैन वेद फुलां।

गांव फुलां स्थित बाबा प्रेमनाथ खेल स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव सिरसा लोकसभा के अंतर्गत रतिया विधानसभा के लोकसभा क्वालीफायर खेलों का शुभारम्भ उत्साह के साथ हुआ। इन खेलों में रतिया, नागपुर और फतेहाबाद ब्लॉक की विजेता टीमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढक़र भाग ले रही हैं। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर हरकोफेड चेयरमैन वेद फुलां ने खिलाडिय़ों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खेल ही समग्र उन्नति की नींव है। खेल वह माध्यम है जिससे परिवार, समाज और देश-तीनों का विकास संभव होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से युवाओं को अवसर देने की पहल से नई प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है और आने वाले समय में देश को नई दिशा देने वाले खिलाड़ी सामने आएंगे। वेद फुलां ने राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार सिरसा लोकसभा में खेलों को श्री-लेयर प्रणाली के माध्यम से जमीनी स्तर तक पहुंचाकर व्यापक आयोजन किए गए हैं, उसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। कार्यक्रम में गांव के सरपंच सुनील कुमार, जिले सिंह कूंट, राज कुमार सहारन, संदीप जेवलिया, भजन लाल थालोड़, सतबीर थालोड़, राधेश्याम जेवलिया, जगदीश बिश्नोई सहित अनेक खेल-प्रेमी उपस्थित रहे।

एएनसी फतेहाबाद पुलिस ने हेरोइन सहित युवक को किया काबू

फतेहाबाद। एएनसी सेल फतेहाबाद पुलिस की टीम ने एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान गौरव पुत्र भैया लाल निवासी बैनीवाल कॉलोनी, दौलतपुर रोड फतेहाबाद के रूप में हुई है। एएनसी सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि एएसआई पवन कुमार अपनी टीम के साथ फतेहाबाद शहर के ऑटो मार्केट से रविदास चौक की ओर नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु गश्त पर थे। जब पुलिस टीम खेमा-खाती चौक पहुंची, तो दाईं ओर खड़ा एक युवक पुलिस वाहन को देखकर अचानक मुडक़र तेजी से आगे बढऩे लगा।

खबर संक्षेप

डॉ राजीव बांगड़ बने चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष

हिसार। हरियाणा पशु चिकित्सा परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. राजीव बांगड़ को परिषद का अध्यक्ष चुना गया। परिषद में चार चयनित सदस्य, तीन नामित सदस्य और तीन पदेन सदस्य शामिल होते हैं। परिषद के प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान में परिषद के चयनित सदस्य डॉ. सुखदेव राठी, डॉ. राजीव बांगड़, डॉ शेखर यादव और डॉ. विवेक हैं। सरकार द्वारा नामित सदस्य डॉ सतेंद्र भारती, डॉ मोनिका, और डॉ राजेश मलिक हैं।

'हौंसलों की उड़ान' बर्ड हाउस वर्कशॉप का आयोजन

हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में 'हौंसलों की उड़ान' बर्ड हाउस पेंटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह आकर्षक एवं रचनात्मक कार्यक्रम कॉलेज के कैंपस स्कूल के छात्र–छात्राओं, नर्सिंग एवं फिजियोथैरेपी विभाग के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशासनिक निदेशक डॉ. अशुतोष शर्मा ने बर्ड हाउस पर रंग करके किया।

सरेआम सट्टा खाईवाल करते एक गिरफ्तार

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने सट्टा खाईवाल करते हुए 18000 रुपए के साथ लाल सड़क निवासी सतपाल को गिरफ्तार किया है। सीआईए स्टाफ हांसी में तैनात एएसआई रवि कुमार ने बताया कि सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि राजकीय महाविद्यालय के समीप एक व्यक्ति सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहा है।

अवैध हथियार मामले में दूसरे अपचारी बालक काबू

हांसी। सीआईए पुलिस ने अवैध देशी पिस्तौल व 13 कारतूस मामले में दूसरे अपचारी बालक को 5 रौंद सहित पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। एएसआई सम्मत ने बताया कि पकड़े गए अपचारी बालक ने ही एक देसी पिस्तौल व 13 कारतूस सिसाय बोलान राजेंद्र उर्फ मिढ़ा को दिए थे। सीआईए पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

गुजवि के तीन विद्यार्थियों को मिली प्लेसमेंट

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से प्रतिष्ठित कंपनी रिपोजिटरी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के ऑन-कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के तीन विद्यार्थियों का चयन हुआ है। प्लेसमेंट निदेशक डा. प्रताप सिंह ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक ईसीई, सीएसई, आईटी व एआईएमएल के 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पीएम श्री राजकीय विद्यालय नंगथला में समारोह संपन्न

हिसार। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नंगथला में दो दिवसीय वार्षिक समारोह हर्षोल्लास और अनुशासनपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी अग्रोहा अमन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि जिला परियोजना समन्वयक राम रतन थे। समारोह के पहले दिन खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाई गई। स्पोर्ट्स मीट में विद्यार्थियों ने 100 मीटर व 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, कबड्डी सहित विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए और अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की। दूसरे दिन कला प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कियागया।

20 ग्राम हेरोइन के असल सप्लायर काबू

नारनौंद। सीआईए स्टाफ नारनौंद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 ग्राम हेरोइन लाने वाले सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित युवक की पहचान अजीत निवासी किशनगढ़ जिला रोहतक के रूप में हुई है। एसआई जोगेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपित युवक अजीत ने कुछ दिनो पहले संदीप निवासी खरकड़ा को 20 ग्राम हेरोइन सप्लाई की थी। पूछताछ में उसने असली युवक का नाम बताया था। उसके खिलाफ भी मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित युवक अजीत को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ

गीता कर्तव्य का संदेश व मानवता का मार्गदर्शन करने वाला शाश्वत ज्ञान

गीता ग्रंथ, हरियाणवी संस्कृति व देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियां रही आकर्षण का केंद्र

हिसार। गीता जयंती महोत्सव के दौरान बच्चों को सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा व गीता जयंती महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

कैबिनेट मंत्री ने स्टॉलों का किया अवलोकन

कैबिनेट मंत्री ने महोत्सव के दौरान लगाई गई विभिन्न विभागों की स्टॉलों का अवलोकन किया, जिनमें आमजन को सरकारी योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों तथा उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की प्रचार मंडली ने हरियाणा वंदना की नयनाभिराम प्रस्तुति देकर समां बांधा। जिला बाल कल्याण केंद्र के मूक-बधिर बच्चों ने भक्ति भाव से ओत-प्रोत प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों का मन मोहा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजपुल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत टोकनी पीतल की, मैं पानी भरण जाऊं जैसी लोक धुनों ने खूब तालियां बटोरीं। मंत्री ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले सभी बच्चों को सम्मानित किया। गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के आध्यात्मिक अध्ययन केंद्र से प्रोफेसर किशना राम बिश्नोई ने पवित्र गीता ग्रंथ पर आधारित सेमिनार के दौरान गीता के गहन रहस्यों पर प्रकाश डाला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

राजगढ़ रोड स्थित कबीर छात्रावास परिसर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य एवं रंगारंग आगाज शनिवार को हुआ। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने मुख्य अतिथि के तौर पर दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सावित्री जिंदल के प्रतिनिधि के तौर पर समाजसेवी जगदीश जिंदल भी कार्यक्रम में सम्मलित हुए। मुख्य अतिथि व गणमान्य नागरिकों ने जियो गीता की ओर से आयोजित हवन यज्ञ में आहुति डाली और सर्वजन कल्याण की कामना की। कैबिनेट मंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगवाते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की और कहा कि गीता मात्र एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का सार, कर्तव्य का संदेश और मानवता का मार्गदर्शन करने वाला शाश्वत ज्ञान है। गीता हमें सिखाती है कि जीवन में कठिनाइयां आएं तो उनमें उलझना नहीं, बल्कि समभाव से आगे बढऩा चाहिए।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, नगराधीश हरिराम, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह, तहसीलदार रामनिवास भादू, ब्लॉक समिति हिसार द्वितीय के चेयरमैन अजय गावड़, जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, संत कबीर छात्रावास के प्रधान जोगीराम खुंडिया सहित अनेक विभागीय अधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सेठ छाजूराम की विरासत युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोतः महिपाल ढांडा

हिसार। जयंती समारोह में सेठ छाजूराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा व अन्य।

- छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज में सेठ छाजूराम की 160वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज परिसर में 160वां सेठ छाजूराम जयंती समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। जयंती समारोह में राज्य के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि रहे। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार अति विशिष्ट अतिथि व जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा भाजपा के महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया ने की। सेठ छाजूराम की पड़पौत्री मेघना चौधरी ने भी शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। जाट शिक्षण संस्था के प्रधान दिलदार पूनिया ने उपस्थित मेहमानों का विधिवत स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सेठ छाजूराम सरीखे महानुभावों की विरासत को संभाल कर रखना हमारा नैतिक दायित्व है। ऐसे में शिक्षण संस्थानों को जिम्मेदारी उठाकर नौजवान पीढ़ी को तराशना चाहिए। यदि हम अपनी अगली पीढ़ी को अपने बुजुर्गों का सानिध्य दे सकें तो यह विकसित भारत की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि होगी। इस अवसर पर जाट शिक्षण संस्था के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालय एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जाट शिक्षण संस्था के महासचिव एडवोकेट परविंदर मलिक, कोषाध्यक्ष सागर सिवाच, प्रदीप फौजी, एडवोकेट विनोद कस्वां, कैप्टन टीकाराम ढांडा, हांसी से भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, श्रीनिवास गोयल, कृष्ण सरसाना, सुशील लांबा, मनदीप मलिक, संजीव कुहाड़, एडवोकेट संदीप बूरा, एडवोकेट पवन रापडिया, कृष्ण लाल रिणवा, डॉ विवेक सैनी, डॉ. अनीता सहरावत, डॉ मनोज भांभू, प्रोफेसर कर्मपाल नरवाल, प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

श्री कृष्णा प्रणामी स्कूल में वार्षिक उत्सव मनाया

- बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। सांस्कृतिक कार्यक्रम करने नन्हे मुन्नों को सम्मानित करते विधायक विनोद भयाना, स्कूल अध्यक्ष राजपाल यादव व अन्य।

श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल वार्षिक उत्सव का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्री 108 डॉ स्वामी सदानंद जी महाराज तथा हांसी विधायक विनोद भयाना ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यालय अध्यक्ष राजपाल यादव ने मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सरस्वती और गणेश वंदना के बाद नर्सरी से दूसरी कक्षा के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई, जिनमें कलयुग नृत्य नाटिका में भगवान कल्कि का अवतार दर्शाया गया, काल भैरव नृत्य नाटिका, नवदुर्गा रूप में महिषासुर वध दिखाया गया, एकलव्य नृत्य नाटिका, जोकर डांस में जीवन की वास्तविकता दर्शाना ,रामायण नाटिका, ऑपरेशन सिंदूर, कृष्ण-सुदामा नृत्य नाटिका में दया एवं प्रेम का संदेश दिया गया, गोपी-उद्धव नाटिका, कराटे चैंपियंस द्वारा जलवा बिखेरना, स्वतंत्रता-सेनानी नृत्य नाटिका और महाभारत में द्रौपदी चीरहरण आदि भव्य प्रस्तुतियां हुई।

आरपीएस स्कूल के नन्हे-मुन्नों ने लिया एमजी क्लब में एडवेंचर का आनंद

- बच्चों ने पिकनिक पर ब्रेकफास्ट व लंच का भी आनंद लिया और अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए एक यादगार दिन बिताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी। एमजी क्लब हिसार का भ्रमण करते आरपीएस स्कूल के नन्हे मुन्ने।

आरपीएस स्कूल ने अपने नर्सरी से युकेजी के बच्चों के लिए शनिवार को एमजी क्लब, हिसार में एक रोमांचक एडवेंचर ट्रिप का आयोजन किया। इस शैक्षिक और मनोरंजक यात्रा का उद्देश्य बच्चों को कक्षा के बाहर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनमें टीम वर्क तथा आत्मविश्वास की भावना को बढ़ावा देना था। बच्चों ने उनकी अध्यापिकाओं सोमवती, पूजा, नीरू, पूनम और कविता के देखरेख में बंजी जंपिंग, हंटेड हाउस, बम्पर कार, बुल राइड, वीडियो गेम्स, 9 डी मूवी जैसी गतिविधियों का आनंद लिया। बच्चों ने पिकनिक पर ब्रेकफास्ट व लंच का भी आनंद लिया और अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए एक यादगार दिन बिताया। स्कूल की प्रिंसिपल एकता सचदेवा ने कहा कि हमारा मानना है कि शिक्षा केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

हांसी। लेख प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते समिति सदस्य।

सैंट ज्ञानेश्वर स्कूल में लेख प्रतियोगिता आयोजित

हांसी। हरियाणा राज्य सहकारी विकास संघ के द्वारा शनिवार को सैंट ज्ञानेश्वर सीनियर सैकेंडरी स्कूल में लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पूर्व नप चेयरमैन प्रतिनिधि विनोद सैनी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएम विंडो एमीनेन्ट पर्सन नवीन ठाकुर की तथा सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी ऋषि पाल विशिष्ट अतिथि थे। प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल डायरेक्टर संतोष रानी व अध्यापिका पूनम अनेजा के सान्निध्य में किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश वर्मा ने बताया कि राज्य सहकारी समितियों द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर और उन्हें आगे बढाने के लिए बहुत से नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

फार्मेसी छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ मानवीय संवेदनाओं से जुड़ना चाहिए : राकेश कुमार

आदमपुर। राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर के फार्मेसी विभाग की ओर से इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन के आह्वान पर आयोजित राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह का समापन इस वर्ष की थीम 'टीकाकरण के समर्थक फार्मासिस्ट' को केंद्र में रखते हुए हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष राकेश कुमार के निर्देशन में सप्ताह भर चले इस आयोजन में विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यावसायिक और सामाजिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। समापन समारोह को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष राकेश कुमार ने इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में फार्मासिस्ट की भूमिका केवल दवाइयां देने तक सीमित नहीं रह गई है।

आदमपुर। कार्यक्रम के पश्चात प्रतिभागियों को सम्मानित करते प्राध्यापक।

खेलो इंडिया में गुजवि के छात्र ने जीता कांस्य पदक

हिसार। जयपुर में आयोजित खेलो इंडिया विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2025 में यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पहलवान सुमित कुमार ने उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद के पहलवान को हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। सुमित कुमार 70 किलोग्राम वर्ग में फ्रीस्टाइल कुश्ती प्रतिस्पर्धा में गुजवि का नेतृत्व कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए सुमित कुमार को बधाई दी। खेल निदेशक डा. एसबी लूथरा ने बताया कि सुमित कुमार ने इस प्रतियोगिता के दौरान लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।

नशे पर रोक और शिक्षा की अलख जगती रहेगी : शुक्राई नाथ

नारनौंद। कोथ कलां के दादा कालापीर मठ से नशे की रोकथाम और शिक्षा की अलख जगाई थी वह हमेशा जगती रहेगी। यह बात महंत शुक्राई नाथ ने शहर के पार्षद सुनील बैरागी के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मठ में सात साल के दौरान वह एक दिन भी नहीं रुके। नशे पर रोकथाम के लिए गांव- गांव जाकर लोगों को जागरूक किया। साथ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार अनेक प्रतियोगिक प्रतियोगिता करवा कर शिक्षा के प्रति जागरूक किया। समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने को लेकर भी काफी कार्यक्रम किया जा रहे थे और अनेक लोग प्रेरित होकर बुराइयों से दूर होने का काम कर रहे थे, लेकिन कुछ लोगों को यह कार्य अच्छे नहीं लगे और उन्होंने समाज में रुकावट बनने के लिए षड्यंत्र रचकर इस मुहिम को रोकने का प्रयास किया। लेकिन जब तक मैं जिंदा हूं यह मुहिम जारी रहेगी बल्कि अन्य लोग इस मुहिम से जुड़कर इसको मेरे मरने के बाद भी जिंदा रखने का काम करेंगे।

गुरु तेग बहादुर के जीवन के सफर, व भाई दयाला जी की लासानी शहादतों को दिखाया

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर लाइट एंड साउंड शो में भावुक हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार व उपस्थित पदाधिकारी।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वे शहीदी दिवस को समर्पित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मॉडल टाउन में शाम लाइट एंड साउंड शो, /"धर्म हेतु साका जिनि का किया /" का आयोजन किया गया। इसमें गुरु तेग बहादुर के जीवन के सफर, भाई मती दास, भाई सती दास व भाई दयाला जी की लासानी शहादतों को दिखाया गया।

लाइट एंड साउंड शो में श्रद्धालुओं ने हिंद दी चादर गुरु तेग बहादुर जी की वीर गाथा और उनके सर्वोच्च बलिदान को महसूस किया। शो की शुरुआत श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डायरेक्टर व सूत्रधार हरविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने हुई। इस शो को पंजाबी रंगमंच पटियाला के लगभग दो दर्जन कलाकारों ने मंच पर जीवंत कर दिया। मंच पर स्क्रीन की सहायता से ऐतिहासिक दृश्य व घटनाएं बहुत रोचक ढंग से दिखाई गई। मंच पर स्क्रीन के सहारे कलाकारों ने हाथियों के पैरों तले कुचलने के सीन व बादशाह औरंगजेब का रोल करने वाले टीवी कलाकार ने अपने अभिनय से शो में जान डाल दी। दर्शकों ने सांस रोक शो देखा। बहुत से दर्शक हाथ जोड़ कर बैठे थे और कई महिला दर्शकों की आंखों में आंसू देखे गए। शो में दिखाया गया कि कैसे तेज आंधी के बीच अफरा-तफरी मचने पर भाई जैता जी आगे आए और उन्होंने गुरुसाहिब का पावन सीस श्रद्धापूर्वक उठाकर कपड़े में लपेट लिया। वे दिन में छिपते और रात में चलते हुए श्री कीरतपुर साहिब पहुंचे, जहां गुरु गोबिंद सिंह जी को पिता का शीश भेंट किया।

पार्षद संजय डालमिया मुख्य अतिथि रहे

गुरु जी का पावन सीस कीरतपुर से नगर कीर्तन के रूप में श्री आनंदपुर साहिब पहुंचा, जहां उसका संस्कार किया गया। शहीदियों के दृश्य आते ही पंडाल में सन्नाटा छा गया। शो में भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी की शहादत को आग में जलते, आरे से चीरते और उबलते पानी में शहीद होते इन तीनों महापुरुषों के दृश्य देखकर संगत भावुक हो गई। कार्यक्रम में पार्षद संजय डालमिया मुख्य अतिथि रहे। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व मेंबर सुखसागर सिंह ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

स्थापित - 1936 सर्वेसन्तु निरामया :
डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल
3 पीढ़ीयों से आपकी सेवा में
आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा
चर्म रोग
सोरायसिस सफेद दाग बालों का झड़ना मुंहासे
एग्जीमा, Fungal, Acne, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।
डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदाचार्य
मोहल्ला सैनियान, हिसार | मो. 98960-04939

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 30 नवंबर 2025

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

{ कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव }

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

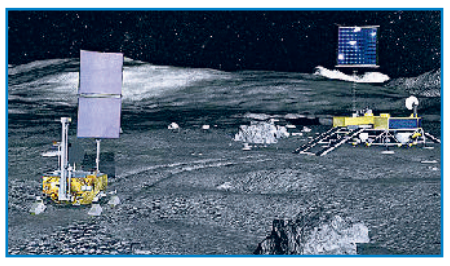

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्त्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

{ टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम }

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

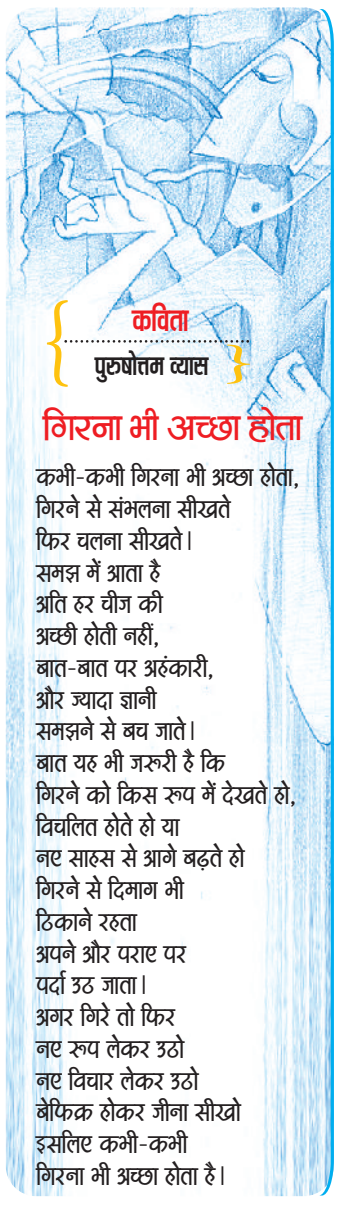

{ कविता
पुरुषोत्तम व्यास }

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

{ व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित }

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गईं और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

{ लघुकथा / सतीश उपाध्याय }

दरवाजा

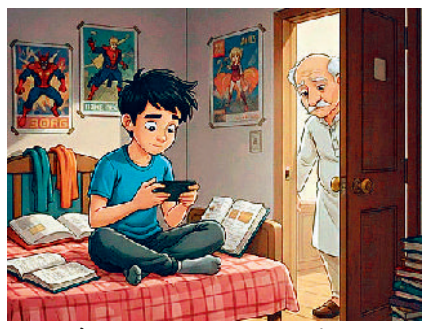

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

अगर आपको गांव की खूबसूरती, वहां का प्राकृतिक वातावरण लुभाता है, साथ ही पक्षी प्रेमी भी हैं तो आपको इस मौसम में 'भारत का पक्षी गांव' के नाम से प्रसिद्ध मेनार गांव जरूर जाना चाहिए। किस तरह से मेनार गांव, पक्षी-प्रकृति संरक्षण की मिसाल बन गया है, वहां से लौटकर बता रहे हैं लेखक अपनी जुबानी।

पक्षी संरक्षण की मिसाल मेनार गांव

पर्यटन स्थल

समीर चौधरी

हाल ही में मैं उदयपुर घूमने गया था। जब मुझे स्थानीय लोगों से पक्षी संरक्षण के लिए मशहूर मेनार गांव के बारे में पता चला तो खुद को रोक नहीं पाया। राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर के नजदीक स्थित मेनार गांव में मैं बिना किसी असुविधा के बिल्कुल सुबह पहुंच गया था। सुबह होते ही मेनार में चिड़ियों का चहचहाना हर ओर से सुनाई पड़ने लगता है। खासतौर पर मानसून के बाद सर्दी के मौसम की शुरुआत होने पर यह नजारा बहुत मनभावन लगता है, जब दूर देशों से बड़ी संख्या में पक्षी जाड़ों के अपने इस आवास में लौटने लगते हैं। दशकों से मेनार 100 से अधिक स्थानीय और ठंडे इलाकों से पलायन करके आने वाले पक्षियों का अभयारण्य बना हुआ है। यहां आने वाले प्रमुख पक्षियों में फ्लेमिंगो,

पेलिकन, कूटस और लुप्त होने की कगार पर पहुंच चुका सारस क्रेन भी शामिल हैं। इन्हें देखने के लिए दूर-दूर से पक्षी प्रेमी यहां आते हैं।

ग्रामीणों की भूमिका महत्वपूर्ण: मेनार गांव की विशेषता केवल इसकी जैव-विविधता ही नहीं है बल्कि यहां के लोग भी हैं, जिनकी वजह से पक्षी संरक्षण संभव हो सका है। मेनार के लोगों का यहां आने वाले मेहमान पक्षियों से लगाव का सिलसिला लगभग दो शताब्दी पहले आरंभ हुआ था। मुझे स्थानीय लोगों ने ही बताया कि वर्ष 1832 में यहां की एक झील के किनारे किसी ब्रिटिश अधिकारी ने एक पक्षी को गोली मार दी थी। उससे नाराज ग्रामीणों ने तुरंत ही उस ब्रिटिश व्यक्ति को गांव से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। यह कहानी लोककथा बन गई और इसी ने मेनार के पक्षी प्रेम और संरक्षण की आधारशिला रखी। समय के साथ मेनार के लोगों ने अपने तालाबों (ब्रह्म तालाब, धंड तालाब और खेरोड़ा तालाब) को जीवंत वेटलैंड्स में बदल दिया। इनके प्रयास रंग लाए। मेनार को आधिकारिक तौर पर राजस्थान के पहले पक्षी गांव के रूप में मान्यता मिल गई और उसे रामसर साइट (अंतरराष्ट्रीय महत्व का वेट लैंड, जो जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है) घोषित किया गया। मेनार को वर्ष 2023 में भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में भी शामिल किया गया।

जागरूक हैं स्थानीय निवासी: मेनार में पक्षियों को देखते हुए मेरी मुलाकात स्थानीय निवासी दर्शन मेनारिया से हुई, जो पक्षी-मित्र कहे जाते हैं। अपनी इस पहचान पर उन्हें गर्व है। हालांकि वह एक विद्यालय में अध्यापक

भी हैं। दर्शन कितना भी व्यस्त रहें, अगर उन्हें किसी पक्षी के चहचहाने की आवाज सुनाई पड़ती है तो वह पक्षियों के गीत सुनने में मगन हो जाते हैं। वे अपने छात्रों से भी कहते हैं कि पक्षियों के गीत को सुनो। जब छात्र पक्षी को देखेंगे और पहचानेंगे, तभी वे वास्तव में उनकी देखभाल करेंगे, उनके संरक्षण में अपना योगदान देंगे।

ऐसे किया जा रहा संरक्षण: मेनार में पक्षी संरक्षण केवल जागरूकता का विषय नहीं, वहां की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यहां धार्मिक रीति-रिवाजों का आयोजन झील के किनारों पर किया जाता है ताकि मानव और प्रकृति का संबंध मजबूत किया जा सके। यहां मछली पकड़ने और गर्मी में की जाने वाली खेती को स्थानीय लोगों ने अपनी इच्छा से बंद कर दिया है ताकि पक्षियों के ठहरने की जगहों को सुरक्षित रखा जा सके। झीलों से पानी भी बहुत कम निकाला जाता है। ग्रामीण अपनी जरूरतों के साथ पक्षियों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं।

सरकारी प्रयासों की बात करें, तो राजस्थान वन विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त पक्षी-मित्र हाथ में बाइनोक्यूलर्स (दूरबीन) लेकर सुबह-शाम को झीलों की निगरानी करते हैं। वे यहां आने वाले पक्षियों की गतिविधियों, पलायन पैटर्न को ऑब्जर्व करते हैं और खतरे की स्थिति में सावधान करते हैं। इस स्थानीय निगरानी ने न केवल सामान्य जलमुर्गियों को सुरक्षित रखने में मदद की है बल्कि उन प्रजातियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।

बन चुकी है डॉक्यूमेंट्री फिल्म: फिल्म मेकर गुंजन मेनन ने मेनार की कहानी को अपनी अवॉर्ड-विनिंग डॉक्यूमेंट्री 'विंग्स ऑफ होप' (उम्मीदों के पर) में भी प्रस्तुत किया है। वह इसे 'विश्वसनीय नेतृत्व की कहानी' कहती हैं। इस फिल्म में उन्होंने बताया कि जमीनी प्रयासों से वह हासिल किया जा सकता है, जो अकसर बड़े पैमाने की नीतियों या बड़े बजट से नहीं मिलता।

बहरहाल, मेनार गांव देश ही नहीं, दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों के लिए मिसाल बन गया है। *

जब करें घने कोहरे में ड्राइविंग
रखें इन बातों का खास ध्यान

सर्दी के मौसम में जब घना कोहरा छाया हो, तो विजिबिलिटी बहुत कम हो जाती है। ऐसे में ड्राइविंग बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। थोड़ी सावधानी और कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप धुंध वाले मौसम में भी सेफ ड्राइव कर सकते हैं।

सजगता

विवेक कुमार

हालांकि अभी बहुत अधिक ठंड नहीं हो रही है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा। हाड़ कंपा देने वाली भीषण ठंड और घने कोहरे में वाहन चलाना बहुत चुनौती भरा काम होता है। देर रात में या पौ फटने से पहले सुबह के समय कोहरे के कारण जब विजिबिलिटी का स्तर कम हो जाता है, तब ड्राइविंग करना और मुश्किल होता है। ऐसे में अगर आपके लिए कहीं जाना बेहद जरूरी है और आप अपने वाहन से जा रहे हैं, तो घने कोहरे में सुरक्षित सफर के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

ड्राइविंग पर फोकस्ड रहें: ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन पर किसी से बात करना, बगल में या पीछे सीट पर बैठे व्यक्ति के साथ लगातार बात करना, म्यूजिक सुनना, इन

तमाम कामों से आपका फोकस ड्राइविंग से हट सकता है। घने कोहरे में अगर आप ड्राइविंग कर रहे हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह ड्राइविंग पर ही केंद्रित रहना चाहिए। सामान्य दिनों में भी इस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए।

स्पीड कम रखें: कोहरे में गाड़ी बहुत धीमी गति में चलानी चाहिए। इससे दुर्घटना होने की आशंका तो कम होती ही है, किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर नुकसान ज्यादा नहीं होता है। अपने आगे चलने वाले वाहन के बीच पर्याप्त गैप रखते हुए धीरे-धीरे ड्राइव करें। इससे आपको अचानक ब्रेक लगाने या गति बदलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कोहरे में गाड़ी ड्राइव करते समय अचानक अपनी लेन बदलने से भी बचें, क्योंकि विजिबिलिटी कम होने के कारण आपकी गाड़ी की गति और दिशा का अनुमान पीछे से आने वाले दूसरे वाहन का चालक नहीं लगा पाता है, इससे एक्सीडेंट की संभावना होती है।

सावधानी से गाड़ी मोड़ें: अगर आपको किसी मोड़ पर अपनी गाड़ी मोड़नी है तो अपनी गाड़ी की गति पहले से ही धीमी कर लें, क्योंकि कोहरे में बिल्कुल करीब की भी चीज दिखाई नहीं देती है। ऐसे में अगर गाड़ी मोड़ते समय गति तेज हुई तो दुर्घटना होने का डर रहता है। धुंध में ओवरटेकिंग करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि विजिबिलिटी बहुत कम होने से यह नहीं दिख पाता है कि आगे कोई वाहन है या नहीं और उसकी स्पीड कितनी है? इसलिए कोहरे में यथासंभव गाड़ी धीमे चलाएं और ओवर टेकिंग करने से बचें।

वाहन को रोक दें: यदि विजिबिलिटी बहुत ही कम हो, तो सड़क के किनारे सुरक्षित जगह पर गाड़ी को रोक कर थोड़ा कोहरा छंटने का इंतजार करना चाहिए। अपनी गाड़ी को जब सड़क पर किनारे खड़ा करें तो कार की हैजार्ड लाइट चालू रखें ताकि सड़क पर चलने वाले दूसरे वाहन आपकी कार को देख सकें और सुरक्षित तरीके से बगल से निकल जाएं।

विंडोज-विंड स्क्रीन को साफ रखें: घने कोहरे और ओस की बूंदों के कारण विंडोज और विंड स्क्रीन पर लगा सीसा बार-बार धुंधला हो जाता है। ऐसे में विजिबिलिटी और भी कम हो जाती है। इससे बचने के लिए बीच-बीच में वाइपर चलाते रहें। कार के हीटर ऑन कर वाहन के अंदर से ही इन

पर जमने वाली भाप को कम किया जा सकता है। अधिक दिक्कत होने पर गाड़ी से उतर कर साफ कपड़े से इन्हें साफ करना चाहिए।

रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं: अपनी कार के पीछे लाल रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाने से आपके पीछे चलने वाले वाहन को आपके वाहन की स्थिति पता चलती रहती है। इससे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और दुर्घटना की आशंका से भी बचा जा सकता है। *

नदी गाथा

वीना गौतम

महज जलधारा ही नहीं जम्मू की सांस्कृतिक आत्मा है तवी नदी

वैसे तो जम्मू-कश्मीर में कई मनोहारी झीलें और नदियां हैं। इन्हीं में से एक तवी नदी न केवल अपने प्रवाह सौंदर्य के लिए, अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता और अपनी गोद में समेटे जैव विविधता के लिए भी जानी जाती है।

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदियों के किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं और संस्कृतियां फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति आम लोगों की उदासीनता के चलते धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ियों को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती पर इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फलती-फूलती रहे। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण और सुंदर नदी तवी, जम्मू शहर से होकर प्रवाहित होती है। जैसे किसी जीवंत शरीर में हृदय धड़कता है, वैसे ही जम्मू के लिए तवी की निरंतर बहती धारा है। यह नदी महज पानी की धार नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक पहचान का आधार स्तंभ है। स्थानीय डोगरा समाज में तवी को सूर्य पुत्री कहा जाता है यानी, एक ऐसी बेटी, जिसे सूर्य देव से जीवन मिला हो। यही उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का आधार माना जाता है।

नदी का उद्भव और प्रवाह: तवी नदी शिवालिक पर्वतों की गोद से जन्मती है। सुधमाह महादेव के निकट डोडा जिले के कैलाश कुंड ग्लेशियर से इसका उद्गम माना जाता है।

तवी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू का मनोरम दृश्य

4,220 मीटर की ऊंचाई से उतरकर यह नदी 141 किलोमीटर का सफर तय करके अखनूर के पास चिनाब नदी में मिल जाती है। अपने प्रवाह में यह पहाड़ी पत्थरों, झाड़ियों, घास के मैदानों और घाटियों को चीरते हुए आगे बढ़ती है। तवी नदी का प्रवाह इसे एक युवा नदी के रूप में दर्शाता है। क्योंकि इसका प्रवाह तेज, पथरीला और जल स्वच्छ होता है। गर्मियों में चूंकि हिमालय में बर्फ पिघलती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसमें पानी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में नदी शांत और सक्रिय हो जाती है। इन दोनों मौसमों के विपरीत मानसून के आते ही तवी का शक्तिशाली और प्रचंड रूप देखने को मिलता है।

पौराणिक-धार्मिक महत्ता भी है बहुत: तवी का स्थान केवल भूगोल में ही महत्वपूर्ण नहीं है, पौराणिक आख्यानों और लोक-साहित्य में भी यह रची बसी है। सूर्य पुत्री कही जाने वाली तवी की मान्यता, डोगरा राजवंश के इतिहास की सांस्कृतिक धुरी मानी जाती है। जम्मू का प्रतिष्ठित बहू-किला इसी नदी के किनारे स्थित है। इसी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू बागीचा, महामाया मंदिर और उसके पास की घाटियां, तवी को सौंदर्य की देवी का दर्जा देती हैं। तवी की वजह से ही ये स्थल इस शहर की आकर्षक धरोहरों में शामिल हैं। प्राचीन मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों में भी तवी नदी की भूमिका हमेशा रही है। डोगरा राज परिवार के संस्कार, पूजा-तीर्थ, अर्पण और पितृ श्रद्धा इसी नदी के तट पर संपन्न होती है। छठ पर्व, मकर संक्रांति, डोगरा मेलों और विशेष पूजा अर्चनाओं का केंद्र तवी नदी के तट ही होते हैं। शिवरात्रि में यहां विशेष उत्सव संपन्न होता है। डोगरी लोकगीतों में बार-बार तवी नदी का जिक्र आता है। यहां एक उक्ति बहुत प्रचलित है, 'तवी दे पाणियां वर्गे, सच्चे ने जम्मू दे लोग।' यानी तवी के पानी की तरह ही जम्मू के लोगों का मन भी निर्मल है। तवी जम्मू की आत्मा है। इसके रिवर फ्रंट, घाटों और हरित पट्टियों के माध्यम से यह नदी एक सांस्कृतिक स्थल के रूप में पुनर्जीवित हो रही है।

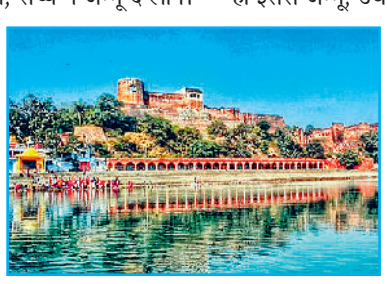

अखनूर फोर्ट के पास से प्रवाहमान तवी नदी

मौजूद है समृद्ध जैव विविधता: सिर्फ संस्कृति ही नहीं जम्मू क्षेत्र के पर्यावरण का भी मूल आधार तवी नदी ही है। इसकी घाटी में समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है। देवदार, चीड़, शीशम, क्राप, पॉपुलर तथा अनेक औषधीय पेड़ इसके किनारे पनपते हैं और इसको समृद्ध वनस्पति स्थल बनाते हैं। इसी तरह तवी घाटी में हिमालयी लंगूर, पहाड़ी लोमड़ी, जंगली बिल्ली और काला भालू जैसे जीव जंतु भी पाए जाते हैं। इनके अलावा यहां किंग फिशर, उल्लू, बगुले, पहाड़ी गौरैया जैसे पक्षी इसकी जैव विविधता की गाथा कहते हैं। इसी में ट्राउट, महाशीर और क्रॉप जैसी मछलियों की भी उपस्थिति इसे खास बनाती है।

कई तरह से है उपयोगी: तवी का तेज प्रवाह इसका पथरीला तल इसे देश की दूसरी नदियों की अपेक्षा बेहद स्वच्छ रखता है। यह चिनाब की प्रमुख सहायक नदी है और सिंध प्रणाली में जल उपलब्धता बढ़ाने पर अपना योगदान देती है। इसके तलों पर उगने वाली घास और वृक्ष, नदी के कटाव को रोकते हैं और जैविक स्थिरता बनाए रखते हैं। शहर के मध्य से गुजरते समय इसका घुमावदार प्रवाह बहुत आकर्षक लगता है। यह जम्मू शहर के पेय जल की प्रमुख स्रोत है। साथ ही इससे जम्मू, उधमपुर और अखनूर जिलों की कृषि भूमि सिंचित होती है।

चुनौतियां हैं कई: हर नदी की तरह तवी के भी कुछ संकट हैं, जैसे शहर का बहने वाला नाला, कचरा और सीवेज इसे बीमार बनाता है। अवैध रेत खनन इसे घायल करता है और शहरीकरण का बढ़ता बोझ इसके विस्तार को छीनता जा रहा है, जो इसके जलस्तर में कमी का प्रमुख कारण बनता है। तवी महज एक नदी नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे इतिहास की धड़कन और संस्कृति की आत्मा कहते हैं। जम्मू शहर की इस पहचान को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

श्याम बेनेगल की 'अंकुर' में दिखा जीवन यथार्थ

बिमल रॉय की यथार्थपरक फिल्म 'दो बीघा जमीन'

जीवन-समाज की सच्चाई दिखाता यथार्थपरक समानांतर सिनेमा

फिल्म निर्माण के शुरुआती दिनों से ही फिल्मकारों ने जीवन और सामाजिक यथार्थ को अपनी फिल्मों का विषय बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि यह सामाजिक यथार्थ, पैरेलल सिनेमा में देखने को मिलता है। समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने वाले फिल्मकारों और हिंदी सिनेमा में इस ट्रेंड पर एक नजर।

भारतीय सिनेमा में यथार्थवाद की झलक बहुत पुरानी बात है। ऐसी फिल्मों की नींव सन 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी, जब 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी. शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। वह किसान अपनी जमीन एक साहूकार को देने के लिए मजबूर हो जाता है और गांव छोड़कर शहर में मिल मजदूर बन जाता है। इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है। साल 1937 में महिलाओं की दुर्दशा पर बनी फिल्म 'दुनिया ना माने' को भी समानांतर फिल्म की श्रेणी में ही रखा जाता है। समानांतर सिनेमा यानी पैरेलल सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा है।

समानांतर सिनेमा ने ली नई करवट: शुरुआती 1920-30 के दशक में भले ही समानांतर सिनेमा बनाने के कुछ प्रयोग किए गए, लेकिन तब ये परंपरा कुछ खास आगे नहीं बढ़ सकी। सन 1940 से 1960 के दशक में समानांतर सिनेमा ने फिर से करवट ली। इस दौर में सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद, वी. शांताराम जैसे दिग्गज फिल्मकारों ने इसे पल्लवित किया। इनकी फिल्मों पर साहित्य की गहरी छाप देखने को मिलती है। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' जैसी बेहतरीन फिल्म बनाई। कान फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म को 'ग्रांड प्रिक्स डू फेस्टिवल' पुरस्कार मिला। इस तरह कान फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी-'नीचा नगर'। समानांतर फिल्मों की इस परंपरा को श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन, गिरीश कासरवल्ली, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे फिल्मकारों ने आगे बढ़ाया।

दिखता है जीवन का यथार्थ: समानांतर सिनेमा में जीवन और समाज का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाया जाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है, जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, सामाजिक असमानता और बदलाव को दर्शाया जाता है। फिल्मों के कथानक में यथार्थ को पूरी शिद्दत के साथ प्रस्तुत करने का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को दर्शकों के सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इन फिल्मों की यथार्थ परक कहानियां, आम लोगों की सामाजिक और आर्थिक जिंदगी से जुड़ी होती हैं। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं, जातिगत भेदभाव, स्त्री-पुरुष संबंध, नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। ये फिल्में पारंपरिक सिनेमा की तरह मनोरंजन या सपनों की दुनिया पर नहीं, बल्कि समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाने पर बल देती हैं। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है। ये फिल्में भारतीय समाज के आइने का काम करती हैं।

दिखाई जाती है सामाजिक त्रासदी: समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर जाता है, लेकिन यह आधा सच ही है। क्योंकि समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस होता रहा है। जबकि सिर्फ दमन और शोषण ही समाज का यथार्थ नहीं है। समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। केवल त्रासदी और नकारात्मकता को ही समाज का यथार्थ नहीं माना जा सकता। यदि समाज के यथार्थ में जीवन के सभी पक्षों को शामिल किया जाए, तो ही समानांतर सिनेमा को यथार्थवादी सिनेमा कहना ज्यादा उचित होगा। यदि इसमें 'अंकुर' जैसी फिल्म शामिल है तो 'हम साथ साथ है' को भी शामिल किया जा सकता है।

इन फिल्मकारों का रहा बड़ा योगदान: समानांतर और यथार्थपरक फिल्मों की बात करें, तो इस परंपरा को समृद्ध करने में कई फिल्मकारों का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1953 में आई बिमल रॉय की 'दो बीघा जमीन' ने समीक्षकों की प्रशंसा के साथ व्यावसायिक सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद बिमल रॉय ने 'बिराज बहू', 'देवदास', 'सुजाता' और 'बंदिनी' जैसी यथार्थपरक फिल्में बनाईं। ऐसी फिल्में बनाने वाले फिल्मकारों में गुरुदत्त भी थे। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। अमेरिका की 'टाइम' पत्रिका ने इसे 'ऑल टाइम बेस्ट 100 फिल्म्स' में जगह दी है। समानांतर सिनेमा की नई शुरुआत 1969 में मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन सोम' से माना जाता है। ऐसे ही श्याम बेनेगल 1973 में 'अंकुर' बनाकर समानांतर सिनेमा के नवसृजन के प्रमुख हस्ताक्षर बने। सन 1976 में मृणाल सेन ने 'मृगया' बनाई, जो मिथुन चक्रवर्ती की पहली फिल्म थी। श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'मंथन' और 'भूमिका', मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा'। सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'सद्गति'। इन सभी फिल्म मेकर्स का समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। *